पटना ● रविवार, 14 जुलाई 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:183 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नही"

शांतिपूर्ण तरीके से सौहार्द एवं ... 3 | www. bordernewsmirror.com | जान्हवी कपूर की उलझ... 8

टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को 10 विकेट से दी पटखनी

● 5 मैचों की टी-20 सीरीज जीती, ओपनर्स शुभमन और यशस्वी की फिफ्टी

हरारे (एजेंसी)। भारत ने टी-20 सीरीज के चौथे मैच में जिम्बाब्वे को 10 विकेट से हरा दिया है। इस जीत से टीम ने 5 मैचों की सीरीज में 3-1 की बढ़त के साथ सीरीज भी

अपने नाम कर ली है। सीरीज का पांचवां मुकाबला कल 14 जुलाई को खेला जाएगा। भारत ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। जिम्बाब्वे ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 152 रन बनाए। जवाब में भारत ने 15.2 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए टारगेट हासिल कर लिया। भारत की ओर से ओपनर्स के बीच नाबाद 156 रन की साझेदारी हुई।

गुजरात-राजस्थान में आया चांदीपुरा वायरस!

● 4 बच्चों की हो गई मौत, 2 का चल रहा इलाज

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के साबरकांठा जिले में संदिग्ध चांदीपुरा वायरस के इंफेक्शन के चलते चार बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि दो अन्य का इलाज जारी है। इस बारे में जानकारी देते हुए शनिवार को एक अधिकारी ने बताया

कि वायरस से पीड़ित दोनों बच्चों का इलाज हिम्मतनगर के सरकारी अस्पताल में चल रहा है। अधिकारी ने बताया कि चांदीपुरा वायरस से पीड़ित व्यक्ति को बुखार आता है, और इसके लक्षण फ्लू व तीव्र इंसेफेलाइटिस (मस्तिष्क की सूजन) जैसे होते हैं। यह मच्छरों, खून चूसने वाले कीड़ों और सैंडफ्लाई जैसे वेक्टर्स से फैलता है। यह रोगजनक वायरस रैबडोविरिडे परिवार के वेसिकुलोवायरस जीनस का सदस्य है।

नखरेबाज आईएएस पूजा खेडकर की जा सकती है नौकरी

● मुकदमे का भी सता रहा डर, केन्द्र सरकार के पैनल ने शुरू की जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रोबेशनरी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर अपनी मनमानी की वजह से दिनों सुर्खियों में हैं। अब उनकी नौकरी पर भी खतरा मंडराने लगा है। वह अपनी विकलांगता और ओबीसी सर्टिफिकेट

को लेकर भी विवादों में घिर चुकी हैं। पूरे मामले की जांच के लिए केंद्र सरकार द्वारा एक पैनल का गठन किया गया है। पैनल को अगर इसके साक्ष्य मिल जाते हैं तो उन्हें नौकरी से बर्खास्त तक किया जा सकता है। इसके अलावा उनके खिलाफ जालसाजी का मुकदमा भी चलाया जा सकता है। एक रिपोर्ट में सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि डीओपीटी के अतिरिक्त सचिव मनोज द्विवेदी का पैनल अगले दो हफ्तों में इस बात की जांच करेगा कि उन्होंने अपनी विकलांगता और ओबीसी स्टेटस को साबित करने वाले दस्तावेज कैसे हासिल किए। क्या जारी करने वाले अधिकारी ने उचित जांच की थी।

भारी बारिश और बाढ़ से...

यूपी-बिहार में 'जल' जला

बिजली गिरने से 24 घंटे में 21 लोगों की मौत, यूपी के हाल बेहाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। भागलपुर में गंगा और कोसी के कटाव में कई घर बह गए हैं। यहां रोहतास के

● **एमपी-यूपी समेत 8 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, असम में तांडव**

मां तुतला भवानी धाम वाटरफॉल में शनिवार सुबह पानी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। 6 लोग तेज बहाव में फंस गए। वन विभाग की टीम ने उन्हें रेस्क्यू किया। भारी बारिश के बीच

बिजली गिरने से पिछले 24 घंटे में 12 जिलों में 21 लोगों की मौत हुई है।

उधर, उत्तर प्रदेश में नेपाल से लगे जिलों बाढ़ जैसे हालात हैं। पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महराजगंज के करीब 800 गांव लगातार तीसरे दिन भी बाढ़ की चपेट में हैं।

शाहजहांपुर में दिल्ली-लखनऊ हाईवे लगातार दूसरे दिन बंद है। बलरामपुर में प्राइमरी स्कूल में 3 फीट तक पानी भरा है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा, जम्मू, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में आज भारी बारिश का अलर्ट है। उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, विदर्भ (महाराष्ट्र), छत्तीसगढ़ में तूफान और बिजली गिरने का अलर्ट है। मौसम विभाग ने मुंबई में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इससे सड़क, रेल और एयर ट्रैफिक सर्विसेस प्रभावित हो सकती हैं। दिल्ली के भी कुछ इलाकों में शुक्रवार देर रात शनिवार सुबह तेज बारिश देखने को मिली। यहां आज भी बारिश होने के आसार हैं। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर शाहजहांपुर में करीब 2 से 3 फीट पानी भरा हुआ है। हाईवे के एक हिस्से को लगातार दूसरे बंद कर दिया गया है।

सामाजिक-आर्थिक व पर्यावरण विकास में केरल-उत्तराखंड आगे

● **दोनों राज्यों ने किया टॉप, फिसड्डी निकला नीतिश कुमार का बिहार**

● **तीसरे नंबर पर तमिलनाडु और चौथे पर गोवा का नाम, यूपी पिछड़ा**

नई दिल्ली (एजेंसी)। सामाजिक-आर्थिक व पर्यावरण की स्थिति के लिहाज से नीति आयोग द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में केरल और उत्तराखंड अव्वल रहे हैं। जबकि बिहार रैंकिंग में सबसे निचले पायदान पर रहा है। शुक्रवार को आयोग की तरफ से जारी की गई रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से देश भर में बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में भी मदद मिली है। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने सतत विकास लक्ष्य 2023-24 सूचकांक की रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि बीते दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। दो राज्यों को गरीबी उन्मूलन पर एसडीजी-1 प्राप्त करने के लिए सुधार करने की जरूरत है। इनमें बिहार और अरुणाचल प्रदेश शामिल है। इस रिपोर्ट को तैयार करने का उद्देश्य राज्यों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का पता लगाकर और उसमें सुधार करना है। इसके साथ ही राज्यों को विकास के रास्ते पर लाना है। क्योंकि विकास के रास्ते ही लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में तेजी से परिवर्तन संभव है। भारत का समग्र एसडीजी सूचकांक वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 71 हो गया है जो 2020-21 में 66 था। गरीबी उन्मूलन, सम्मानजनक, कामकाज के अवसर मुहैया कराने, आर्थिक सुधार, जलवायु परिवर्तन से संबंधित कार्रवाई और जमीनी इलाकों में जीवन पर महत्वपूर्ण प्रगति के चलते यह सुधार देखने को मिला है। रिपोर्ट से पता चलता है कि लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए उत्तराखंड और केरल में अच्छा काम हुआ है। उत्तराखंड और केरल 79 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर पहुंचे हैं। इसके बाद तमिलनाडु 78 और गोवा 77वां का स्थान है। जबकि उत्तर प्रदेश को 67 अंक मिले हैं।

अगले 7 साल में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है भारत

● आरबीआई के डिप्टी गवर्नर देवोव्रत पात्रा ने किया बड़ा दावा, बताया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 2031 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। दुनिया की

सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए हमें केवल 2060 तक का समय लगेगा। यह कहना है आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवोव्रत पात्रा का, मसूरी में भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए पात्रा ने कहा कि यह कल्पना करना संभव है कि भारत अगले दशक की शुरुआत में ही दुनिया की दूसरी अर्थव्यवस्था बन सकता है इसके लिए हमें 2048 तक का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। पात्रा ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए 2060 तक का समय लगेगा। वर्तमान में भारत में निम्न मध्यम वर्ग की संख्या सबसे ज्यादा है। वर्तमान में भारत 3.6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन गया है।

उपचुनाव में 'इंडिया' का जलवा बीजेपी का निकल गया दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को इस उप-चुनाव में सिर्फ दो सीटों पर जीत

● **बिहार में निर्दलीय शंकर सिंह ने जदयू से छीनी रुपौली विधानसभा सीट**

हासिल हुई है। बीजेपी ने जिन दो सीटों पर जीत हासिल की है, वो हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर और मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा हैं। इन दोनों सीटों पर बीजेपी की जीत का अंतर दो हजार वोटों से कम है। लोकसभा चुनाव के लिए बनाए गए इंडिया गठबंधन में शामिल पार्टियों ने जिन सीटों पर जीत हासिल की है। उनमें पश्चिम बंगाल की रायगंज, बगदा, राणाघाट दक्षिण और मनिकतला शामिल हैं। इन चारों सीटों पर टीएमसी ने जीत हासिल की। हिमाचल प्रदेश की कुल तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुआ। यहां कांग्रेस पार्टी को दो सीटों पर जबकि भाजपा को एक सीट पर जीत हासिल हुई। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी देहरा और नालागढ़ विधानसभा सीटें जीतने में सफल रहीं। देहरा सीट पर हिमाचल के सीएम की पत्नी कमलेश ठाकुर और नालागढ़ से हरदीप सिंह बावा जीत हासिल करने में सफल रहे। पंजाब में सिर्फ एक सीट पर चुनाव हुआ था। यहां सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी मोहिंदर भगत 37 हजार वोटों से जीतने में सफल रहे। दक्षिण भारत के राज्य तमिलनाडु की विक्रवंडी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में डीएमके ने 54 हजार से जीत हासिल की।

बीजेपी एमएलए का इस्तीफा नहीं तो परिवार समेत अपना लूंगा इस्लाम

गुजरात में दलित कांग्रेस नेता राजेश सोलंकी की प्रदेश सरकार को दी धमकी

अहमदाबाद (एजेंसी)। कांग्रेस के जूनागढ़ शहर एससी/एसटी सेल के अध्यक्ष राजेश सोलंकी ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला तो वह अपने पूरे परिवार के साथ इस्लाम कबूल कर लेंगे। राजेश सोलंकी के बेटे पर मई में बीजेपी विधायक गीताबा जडेजा के बेटे ने कथित रूप से हमला किया था। राजेश ने कहा कि अगर गुजरात की बीजेपी सरकार विधायक का इस्तीफा और उनके पति की गिरफ्तारी की मांग नहीं मानती तो वह शांत नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि वह

दलित समुदाय से आते हैं लेकिन उनका पूरा परिवार और उनके कुछ अन्य लोग इस्लाम में परिवर्तित हो जाएंगे। कांग्रेस के जूनागढ़ शहर एससी/एसटी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजेश सोलंकी दलित समुदाय के अनौपचारिक संगठन जूनागढ़ जिला अनुसुचित जाति समाज के प्रमुख भी हैं। उनके बेटे संजय सोलंकी कांग्रेस की छात्र शाखा-भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ के नेता हैं। गोंडाल के भाजपा विधायक गीताबा जडेजा के बेटे ज्योतिरादित्या सिंह उर्फ गणेश को संजय पर कथित हमले के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को राजेश सोलंकी जूनागढ़ के जिला कलेक्टर के कार्यालय गए और राज्य सरकार से धर्म परिवर्तन की अनुमति लेने के लिए आवेदन पत्र एकत्र किए।

150 लोगों के इस्लाम अपनाने का दावा

राजेश के मुस्लिम धर्म अपनाने का ऐलान सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। उन्होंने दावा किया है कि अगर भाजपा सरकार गीताबा और उनके पति जयराजन जडेजा के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती तो वह और सोलंकी परिवार के लगभग 150 सदस्य इस्लाम में परिवर्तित हो जाएंगे। राजेश सोलंकी ने मांग की कि भाजपा को 15 अगस्त तक गीताबा का इस्तीफा ले लेना चाहिए। उन्होने कहा कि 30 और 31 मई की दरम्यानी रात को संजय पर हमले में उनकी कथित भूमिका के लिए आईपीसी की धारा 120 बी (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया जाए। ज्योतिर्दित्यसिंह (25) के खिलाफ 31 मई को मामला दर्ज किया गया था, जब संजय (26) ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

सोनिया गांधी के बाद सुनीता केजरीवाल से मिले हेमंत सोरेन

● जेल से रिहा होने के बाद झारखंड सीएम का पहला दिल्ली दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शनिवार को दिल्ली दौरे पर थे। सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद वह अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मिलने उनके आवास पहुंचे। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं। 28 जून को जेल से बाहर आने के बाद हेमंत सोरेन पहली बार दिल्ली पहुंचे हैं। इससे पहले उनके जेल में रहने के दौरान कल्पना सोरेन भी दिल्ली आई थी। उस वक्त उन्होंने सुनीता केजरीवाल से मुलाकात कर उन्हें हिम्मत दी थी। दरअसल दिल्ली शराब घोटाले को लेकर अरविंद केजरीवाल 90 दिनों से जेल में बंद है। ऐसे में अब हेमंत सोरेन भी जेल रिहा होने के बाद सुनीता केजरीवाल से मिलने पहुंचे।

मां के प्यार को कभी भी 'इंग्लिश' ट्रांसलेट नहीं कर सकती: सीजेआई

कहा-जज-वकील अंग्रेजी समझते हैं, लेकिन किसान नहीं, इसलिए बदलाव जरूरी

लखनऊ (एजेंसी)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को लखनऊ में कहा कि मां के प्यार को इंग्लिश ट्रांसलेट नहीं कर सकती है। उन्होंने लोकल लैंग्वेज में कानून की शिक्षा दिए जाने पर जोर दिया। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा- इंग्लिश में 2 किसानों के बीच की बातचीत को सही तरीके से नहीं बता सकते हैं। स्थानीय भाषा में ताल और तलैया का मतलब यहीं आकर मुझे पता चला। जज-वकील तो अंग्रेजी समझते हैं, लेकिन भोजपुरी जानने वाला किसान नहीं समझता। इसलिए

इसे बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वकील भी हिंदी में बेहतरीन तरीके से पक्ष रखते हैं। मैं ये नहीं कह रहा हूं कि कानूनी शिक्षा से अंग्रेजी को हटा देना चाहिए, लेकिन स्थानीय भाषा में भी कानून की शिक्षा दी जानी चाहिए।

सीजेआई बोले- छात्र को खसरा-खतौनी की जानकारी नहीं तो मदद कैसे करेगा

मैं सोचता हूं कि विवि को हिंदी में जरूर कोर्स कराना चाहिए। अगर छात्र को खसरा और खतौनी की जानकारी नहीं, तो वो कैसे लोगों की मदद करेगा। बॉम्बे हाईकोर्ट से जब मैं इलाहाबाद हाईकोर्ट आया, तब मुझे पता चला यहां के वकील हिंदी में बेहतरीन तरीके से पक्ष रख लेते हैं। हमारी कोशिश है कि न्याय प्रक्रिया को आम लोगों के लिए और आसान बनाएं। उदाहरण के लिए आम लोगों के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का अनुवाद हो रहा है। 1950 से लेकर अब तक 37000 जजमेंट का हिंदी में अनुवाद हो चुका है।

उन्नाव बस हादसे के बाद ऐक्शन मूड में सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में उन्नाव बस हादसे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अख्तियार किया है। परिवहन विभाग के अधिकारियों को योगी ने दो टूक निर्देश दिये हैं कि भविष्य में प्रदेश की सड़कों पर डग्गामार या बिना परमिट कोई बस चलती मिली तो संबंधित अधिकारियों की खैर नहीं। अपने

● **डग्गामार और बिना परमिट की बसों को लेकर जारी किया सख्त आदेश**

सरकारी आवास पर एक अति महत्वपूर्ण बैठक के दौरान परिवहन विभाग के अधिकारियों को सीएम ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश में चल रही सभी यात्री बसों और स्कूल बसों का परमिट, फिटनेस, इंश्योरेंस और ड्राइवरों की गहनता से जांच की जाए। मुख्यमंत्री के कड़े रुख के बाद परिवहन विभाग ने पूरे प्रदेश में एक माह तक डग्गामार और बिना परमिट वाले वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान के निर्देश जारी कर दिये हैं। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव परिवहन को निर्देशित करते हुए कहा कि आखिर डग्गामार और बिना परमिट वाली बसें सड़कों पर कैसे बेरोकटोक घूम रही हैं। ऐसी

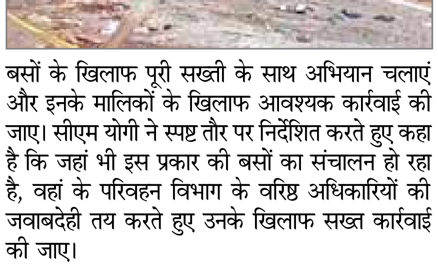

बसों के खिलाफ पूरी सख्ती के साथ अभियान चलाएं और इनके मालिकों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाए। सीएम योगी ने स्पष्ट तौर पर निर्देशित करते हुए कहा है कि जहां भी इस प्रकार की बसों का संचालन हो रहा है, वहां के परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड के आईजी व डीआईजी ने की हरिहरनाथ मंदिर में पूजा

छपरा, एजेंसी। आईजी वेस्टर्न रांची शांति जी जयदेव व सीआईएसएफ के डीआईजी एम के सिंह ने सोनपुर बाबा हरिहरनाथ मंदिर में पूरे परिवार के साथ पूजा अर्चना की। अधिकारियों ने प्रदेश की खुशहाहली की कामना की। इस अवसर पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने मंदिर परिसर मे अंग वस्त्र बुके व मंदिर का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। पुजारी सुशील चंद्र शास्त्री, बमबम बाबा, पवन तिवारी, भुटकुन बाबा ने पूजा अर्चना करवायी। मौके पर त्रिलोकी साह, मोनू सिंह, टोनू सिंह, चुनमुन सहित अनेक लोग उपस्थित थे। मंदिर गेट पर पहुंचते ही मंत्रोच्चार व फूल के साथ स्वागत हुआ। आईजी शांति जी जयदेव ने मंदिर मे पूजा करने के बाद कहा कि यहां आ कर बहुत अच्छा लगा और मन प्रसन्न हुआ। अब बराबर मंदिर में पूजा के लिए आगमन होगा। डीआईजी ने भी लोगों व मंदिर कमेटी के प्रति आभार प्रकट किया।

कोपा पुलिस ने युवती को अस्पताल पहुंचाया

छपरा/जलालपुर, एजेंसी। कोपा पुलिस ने कोपा बाजार में अर्धबेहोशी की हालत में पड़ी बीस वर्षीय एक युवती को इलाज के लिए शुक्रवार को अस्पताल पहुंचाया व परिजनों को इसकी सूचना दी है। युवती छत्तीसगढ़ के मनोहर की पुत्री तुलसी कुमारी बताई गई है। इस संबंध में कोपा पुलिस ने बताया कि युवती कोपा बाजार में अर्धबेहोशी की हालत में पड़ी थी। इसकी सूचना किसी ग्रामीण ने पुलिस को दी जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। युवती यहां कैसे पहुंची, इसके बारे में खुलासा नहीं हो सका है।

प्रदेश युवा कांग्रेस के सचिव बनाये गये

छपरा/मांझी, एजेंसी। प्रखंड के घोरहट गांव निवासी विशाल मिश्रा उर्फ प्रिंस मिश्रा को बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस का सचिव मनोनीत किया गया है। उनके मनोनयन पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया व बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने कहा है कि उनके सचिव के पद पर मनोनयन से पार्टी को मजबूती मिलेगी। बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रभारी राकेश सन्नी व बिहार युवा कांग्रेस के अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीबदास ने उन्हें मनोनयन पत्र प्रदान किया।

तरैया बाजार में आया बालक नहीं पहुंचा घर, परिजन चिंतित

छपरा/तरैया, एजेंसी। थाना क्षेत्र के तरैया बाजार आया एक बालक तीन दिनों से गायब है। युवक माधोपुर बड़ा गांव निवासी हरेराम चौबे का 12 वर्षीय पुत्र मुनमुन चौबे उर्फ रिषभ कुमार बताया जाता है। पिता ने स्थानीय थाने में एक शिकायत प्रतिवेदन दिया है। कहा गया है कि रिषभ दस जुलाई को स्कूली बैग की मरम्मत कराने तरैया बाजार गया था जो आज तक घर लौटा नहीं है। स्थानीय पुलिस बच्चे की तलाश में जुटी हुई है।

पुरानी रंजिश में अधेड़ को मारी गोली, रेफर

मुजफ्फरपुर/बोचहां, एजेंसी। गरहां थाने के हमीदपुर चौक पर शुक्रवार की रात करीब नौ बजे विश्वनाथ ठाकुर के पुत्र राजीव कुमार उर्फ पप्पू ठाकुर (50) को गोली मार दी। आनन-फानन में आसपास के लोगों ने उन्हें बोचहां अस्पताल पहुंचाया, जहां से चिकित्सकों ने मेडिकल रेफर कर दिया। बदमाश ने दो गोली चलाई, जिसमें से एक गोली उनके बाएं जांघ में लगी। वारदात को अंजाम देने के बाद भाग रहे बदमाश गोविंद को लोगों ने खदेड़कर पकड़ने की कोशिश की, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष आशीष कुमार ठाकुर ने बताया कि पप्पू ठाकुर ने पिछले माह पुत्री के साथ गोविंद द्वारा छेड़खानी किए जाने का आवेदन दिया था। इसी रंजिश में उन्हें गोली मारी गई है। गोविंद की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। पप्पू ठाकुर पेठिया से सब्जी खरीदकर घर लौट रहे थे।

सरकारी विभागों के 748 नये पदों को मिली मंजूरी, 534 डाटा इंट्री ऑपरेटर भी होंगे बहाल, नीतीश कैबिनेट में लगी मुहर

पटना, एजेंसी। नीतीश कैबिनेट में बिहार विभिन्न विभागों में 748 नये पदों को मंजूरी मिली है। इसके अलावा सभी 534 प्रखंडों में डाटा इंट्री आपरेटर भी बहाल किये जाएंगे। राज्य मंत्रिपरिषद ने शुक्रवार को इन पदों को मंजूरी दे दी। अब इन पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू होगी। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अन्तर्गत संचालित 34 राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों में कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के लिए 338 शैक्षणिक पदों (प्राध्यापक-28, सह-प्राध्यापक -71 एवं सहायक प्राध्यापक-239) के सृजन की स्वीकृति मिली है। 31 राजकीय पोलिटेकनिक/ राजकीय महिला पोलिटेकनिक संस्थानों में असैनिक अभियंत्रण पाठ्यक्रम के लिए 203 शैक्षणिक पद (विभागाध्यक्ष-04 एवं व्याख्याता-199) सृजित किये गए हैं। राज्य के

नये आईटीआई की स्थापना व नये महिला के लिये प्रधान लिपिक के 31 एवं निम्नवर्गीय लिपिक के 31 अर्थात कुल 62 पदों के सृजन की मंजूरी दी गई। वहीं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में पूर्व से प्रारंभ विभिन्न व्यवसायों में व्यवसाय अनुदेशकों तथा गणित अनुदेशकों, ड्राइंग अनुदेशकों के 130 एवं ग्रुप अनुदेशकों के 7 कुल 137 पद सृजित करने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान पटना में अपर निदेशक (मेडिकल कार्डियोलाजी) एवं अपर निदेशक (सर्जिकल कार्डियोलाजी) के कुल 2 नये पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही 534 प्रखण्डों, 11 श्रमायुक्त कार्यालयों और दशरथ मांझी श्रम नियोजन अध्ययन संस्थान पटना के लिए 3 कुल 548 श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों के लिए भाड़े पर वाहन रखने तथा सभी 534 प्रखंडों में एक-एक डाटा इन्ट्री ऑपरेटर बहाल करने की मंजूरी दी गई है।

केंद्रीय बजट से बिहार ने मोदी सरकार से मांगे 30 हजार करोड़, विशेष दर्जा या विशेष पैकेज मिलेगा? : इनके अलावे सभी प्रखण्डों, 11 श्रमायुक्त कार्यालयों और दशरथ मांझी श्रम नियोजन अध्ययन संस्थान पटना के लिए 3 कुल 548 श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों के लिए भाड़े पर वाहन रखने तथा प्रखंडों में एक-एक डाटा इंट्री ऑपरेटर बहाल करने की मंजूरी दी गई है। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अन्तर्गत संचालित 34 राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों में कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के लिए 338 शैक्षणिक पदों (प्राध्यापक-28, सह-प्राध्यापक -71 एवं सहायक प्राध्यापक-239) के सृजन की स्वीकृति दी। 31 राजकीय पॉलिटेक्निक/ राजकीय महिला पॉलिटेक्निक संस्थानों में असैनिक अभियंत्रण पाठ्यक्रम के लिए 203 शैक्षणिक पद (विभागाध्यक्ष-04 एवं व्याख्याता-199) सृजित किये गए हैं। राज्य के नये आईटीआई की स्थापना व नये महिला के लिये प्रधान लिपिक के 31 एवं निम्नवर्गीय लिपिक के 31 अर्थात कुल 62 पदों के सृजन की मंजूरी दी गई।

कैबिनेट के अन्य महत्वपूर्ण फैसले

- बिहार में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान योजना लागू करने का प्रस्ताव स्वीकृत हो गया है। रुसा के स्थान पर इसे लागू किया जा रहा है।
- राजभवन में राजेन्द्र भवन, राज्यपाल सचिवालय व अतिथि गृह के निर्माण के लिए 129.69 करोड़ मंजूर
- राजभवन में प्रोटोकॉल पदाधिकारी का एक पद सृजित, यह स्थायी पद होगा
- बिहार पुलिस चालक संवर्ग (संशोधन) नियमावली, 2024 का गठन किया गया
- तारामंडल में वर्चुअल रियलिटी थियेटर की स्थापना के लिए काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम कोलकाता बनाई गई कार्यान्वयन एजेंसी

जेएनवी की ओर से गति निर्धारक कार्यक्रम का आयोजन

मुंगेर, एजेंसी। शुक्रवार को पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, रमनकाबाद की ओर से प्रखंड के रमनकाबाद स्थित मध्य विद्यालय में पोस्टर-स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गतिनिर्धारक गतिविधि के रूप में बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ, संतुलित आहार, जीवन का आधार और छोटा परिवार, सुखी परिवार विषयों पर विद्यालय के कक्षा पांचवीं से आठवीं के विद्यार्थियों ने पोस्टर रचना तथा स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में उत्साह के साथ भाग लिया। जेएनवी के प्राचार्य अरूण कुमार के निर्देशन में कार्यक्रम के समन्वयक केसी कुमार, पीके सुंदरम, सुजीत चौबे एवं राजीव कुमार ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अहम योगदान किया। इस अवसर पर नवोदय विद्यालय की ओर से सभी प्रतिभागियों को लेखन और चित्रांकन सामग्री प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को अपना संदेश देते हुए जेएनवी के प्राचार्य अरुण कुमार ने बालिकाओं की शिक्षा की आवश्यकता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि एक बालिका के अशिक्षित छूट जाने का मतलब एक परिवार का अपूर्ण शिक्षित रह जाना है।

सौ फीसदी शिक्षित भारत के लक्ष्य के लिए हर बालिका का विद्यालय पहुंचकर गुणवत्तापूर्ण अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करना हमारा न्यूनतम लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने प्रतिभाशाली बालिकाओं को उनकी प्रतिभा के विकास के सर्वोत्तम अवसर देने पर अपना पूरा जोर दिया। कार्यक्रम के संयोजक केसी कुमार ने विद्यार्थियों को सभी प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के उपरांत सभी सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। गति निर्धारक कार्यक्रम के सफल आयोजन में मध्य विद्यालय रमनकाबाद की प्रधानाध्यापक सिन्धु कुमारी के साथ विद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद थे।

शादी समारोह में फायरिंग, दूल्हे के जीजा, भाई की हत्या

बिन बुलाए पहुंचा था, झगड़े के बाद 7 लोगों के साथ लौटा, गोलियां चलाई

पटना, एजेंसी। पटना में शादी में ताबड़तोड़ फायरिंग हुई है। इसमें दूल्हे के जीजा और भाई की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पटना से सटे दानापुर के खगौल में रुद्रा मैरिज हॉल में बीती रात शादी थी। जमुई से बारात आई थी। बारात में आए विजय शेखर सिन्हा ने बताया कि डांस हो रहा था, तभी एक शख्स जबरन घुस आया। वो न तो बाराती पक्ष से था, ना लड़की वाले की तरफ से। डांस के दौरान उसकी वहां मौजूद लोगों से बहस हुई। जिसके बाद उसने वापस आकर देख लेने की धमकी दी। थोड़ी देर बाद वो करीब 7 लोगों के साथ वापस लौटा। इधर वरमाला की रस्म हो रही थी। इसी दौरान विक्की यादव और शुभम सिन्हा ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें दो लोगों को गोली लगी। उनके साथ आए बाकी लोग बाहर फायरिंग कर रहे थे। मौके से पुलिस को 5 खोखे मिले हैं। इस गोलीबारी में जिनकी मौके पर मौत हुई है। वो आपस में भी जीजा-साला बताए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान गोल्डन सिंह और सर्वेंद्र कुमार सिंह के रूप में हुई है। दोनों जमुई के मलयपुर के रहने वाले थे।

मुझे और मेरे भाई को भी मारने की कोशिश की- चश्मदीद

चश्मदीद विजय शेखर ने बताया कि हम लोग जमुई से बारात लेकर आए थे। एक लड़का बारात में नाच रहा था। वो ना तो हमारी तरफ से था, ना ही लड़की वाली की तरफ से। बारात मैरिज हॉल में जब अंदर आ गई थो वो बदमाशी करने लगा। लेकिन उसको समझाया गया। उसने कहा कि आते हैं लोगों के साथ तो तुम लोग को बताते हैं। वरमाला के दौरान वो बाहर में फायरिंग करने लगा। विजय शेखर का कहना है कि मेरे सामने ही दोनों को गोली मारी। 4 बाइक से बदमाश आए थे। फायरिंग कर रहे थे और बाइक घुमा रहे थे। चश्मदीद का कहना है कि बदमाशों ने मुझ पर और मेरे भाई पर फायरिंग की लेकिन हम लोग भाग निकले।

सुबह तीन बजे फायरिंग हुई- पुलिस

शुक्रवार की रात जमुई के मलयपुर थाना के मलयपुर गांव निवासी टुन्नू सिंह के बेटे अमित कुमार सिंह उर्फ रोशन की बारात दानापुर आई थी। घटना खगौल के मुस्ताफुर की है। सुबह तीन बजे गोली चली है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। लड़का और लड़की पक्ष दोनों से पूछताछ की जा रही है।

SI गितेन्द्र का कहना है कि शुक्रवार को रूद्रा मैरिज हॉल में शादी थी। लड़का पक्ष जमुई जबकि लड़की पक्ष बक्सर के रहने वाले हैं। दोनों पक्ष का कहना है कि शादी समारोह में अचानक एक लड़का आया। उसने पहले घर वालों से बहस की। उसके कुछ देर बाद आकर वारदात को अंजाम दिया। मौके से 5 खोखा भी बरामद किया गया है।

बेटे को लगा करंट, बचाने गई मां भी चपेट में आई, दर्दनाक हादसे से परिवार में पसरा मातम

सुपौल, एजेंसी। बिहार के सुपौल में एक परिवार का आंगन सूना हो गया। बेटे को करंट से बचाने के लिए आगे आई मां भी काल के गाल में समा गई। दरअसल परिवार का 15 साल का बेटा ई रिक्शा पर बैठा था, लेकिन बेटा को करंट लगा तो मां दोड़ती हुई बचाने आई। मगर वह भी करंट की चपेट में आ गई और दोनों की मौत हो गई। यह घटना नगर परिषद क्षेत्र के बभनगामा वार्ड 11 में शुक्रवार की शाम की है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। गांव वालों ने बताया कि बभनगामा वार्ड 11 में नागेंद्र यादव के घर के सामने ई-रिक्शा लगी थी। ई-रिक्शा पर नागेंद्र यादव का पुत्र अजय कुमार (15 वर्ष) बैठा हुआ था। इसी दौरान बिजली का तार खंभे से टूटकर ई रिक्शा पर गिर गया। इससे ई-रिक्शा में करंट फैल गया और इसकी चपेट में अजय आ गया। अजय को बिजली का करंट लगा देख जब उसकी मां अमृता देवी (35 वर्ष) बेटे को बचाने गई तो वह भी करंट की चपेट में आ गई। बाद में अन्य परिजन मां-बेटे दोनों को अनुमंडलीय अस्पताल लेकर आए, जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार डॉ. बीएन पासवान ने बताया कि दोनों को परिजन मृत अवस्था में यहां लेकर आए थे। दोनों की मौत बिजली करंट लगने से हुई है। मृतक अजय कुमार और उसकी मां अमृता देवी के शरीर में बिजली करंट लगने से जख्म के निशान भी थे।

पहली बार बिहार अंडर- 17 महिला फुटबॉल टीम के लिए मुंगेर टाउन क्लब महिला टीम के तीन खिलाड़ियों का हुआ चयन

मुंगेर, एजेंसी। उड़ीसा में नेशनल बालिका अंडर- 17 फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित होना है। इसके लिए बिहार राज्य अंडर- 17 महिला फुटबॉल टीम के कैंप के लिए खिलाड़ियों का चयन बीते दिनों किया गया। इन चयनित महिला फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए 16 से 24 जुलाई तक बरौनी फ्लैग में कैंप का आयोजन किया जाएगा। बिहार महिला अंडर- 17 फुटबॉल टीम में उक्त कैंप के लिए मुंगेर की तीन महिला खिलाड़ियों का भी चयन किया गया है। चयनित होने वाली खिलाड़ी मुंगेर टाउन क्लब की नंदनी कुमारी, सानिया परवीन एवं लूसी कुमारी हैं। मुंगेर के एक साथ तीन महिला खिलाड़ियों का बिहार अंडर- 17 महिला फुटबॉल टीम में एवं कैंप के लिए चयन होने से मुंगेर के फुटबॉल खिलाड़ियों एवं फुटबॉल प्रेमियों में खुशी की लहर छाई हुई है। टीम के मुख्य कोच मो हैदर, महिला कुछ प्रियंका कुमारी, पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी प्रभु दयाल सागर, लालूजी, मुंगेर के प्रसिद्ध खेल उद्घोषक महमूद आलम, राजेश पासवान, अनिल कुमार यादव एवं रजी अहमद, सहित कई फुटबॉल प्रेमियों ने तीनों महिला खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी हैं। वहीं, बिहार टीम में मुंगेर के तीन महिला खिलाड़ियों के चयनित होने के संबंध में जानकारी देते हुए मुंगेर टाउन क्लब के मुख्य कोच मो हैदर ने बताया कि, अंतिम रूप से कैंप में चयन के बाद बिहार अंडर-17 की टीम नेशनल बालिका फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए 26 जुलाई को उड़ीसा के लिए प्रस्थान करेगी।

कचरे का सही से नहीं होता निस्तारण, शहर में तीन कंपोजिट पिट हैं, लेकिन एक में भी नहीं बनती खाद

दरभंगा, एजेंसी। शहर के कचरों के निस्तारण एवं उससे जैविक खाद बनाने के लिए दरभंगा नगर निगम की ओर से शहर में तीन कंपोजिट पिट टाउन हॉल के पीछे, कमला नेहरू लाइब्रेरी के पीछे एवं नगर निगम कार्यालय परिसर में करीब 66 लाख रुपए की लागत से बनाए गए। आज की तारीख में तीन कंपोजिट पिट से कचड़ों का निस्तारण नहीं हो रहा है। जैविक खाद नहीं बन रही है। करीब 19 लाख की लागत से कमला नेहरू लाइब्रेरी परिसर में बने कंपोजिट पिट का आज तक उद्घाटन भी नहीं हुआ। गुरुवार को तीन कंपोजिट पिट में जैविक खाद नहीं बन रही थी। वहीं सिटी मैनेजर रवि अमरनाथ ने दावा

किया कि 10 दिनों में कचरों से करीब 12 टन जैविक खाद बनाने की क्षमता है। लेकिन फिलहाल सात से आठ टन जैविक खाद बनती है। पहले दो लोग यहां से खाद लेते थे मगर अब एक भी नहीं है। जैविक खाद बाजार से बेहद सस्ता है। बीस किलो की कीमत 200 रुपए प्रति बैग, 10 किलो की कीमत 50 और पांच किलो के 25 रुपए प्रति बैग है। बावजूद लोग नहीं खरीद रहे हैं। सिटी मैनेजर रवि अमरनाथ ने कहा कि निगम क्षेत्र के सभी 48 जगहों में कचरा संग्रह के लिए 80 वाहनों का परिचालन होता है। क्षेत्र से प्रतिदिन 160 टन कचरों का उठाव हो रहा है, जिनमें करीब 44 टन गीले कचरे का उठाव होता है। कचरा प्रबंधन प्रभारी अविनाश कुमार और विशाल कुमार का कहना है कि जैविक खाद बनाने में कम से कम तीन महीने का समय लगता है। जितने टन कचरे होंगे। उसके 10 प्रतिशत ही जैविक खाद बनते हैं। ऐसे में प्रति तिमाही देखें तो 180 टन कचरे से करीब 18 टन खाद का उत्पादन हो रहा है। निगम के एक जिम्मेदार व्यक्ति का यह भी कहना है कि 44 टन कचरे सिर्फ शहर के कॉमर्शियल कम्पलेक्स, मुख्य चौक-चौराहे या उससे सटे कुछ ग्रामीण क्षेत्र से उठाए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों अधिकतर लोग गीले कचरे का उपयोग भी कर लेते हैं।

रिश्वत मांगने वाले राजस्व कर्मचारी पर एफआईआर दर्ज

हाजीपुर, एजेंसी। दाखिल खारिज के लिए वर्षो से मामले को लटकाने और इसके लिए पैसा मांगने की शिकायत आने पर डीएम यशपाल मीणा ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए हाजीपुर अंचल कार्यालय के राजस्व कर्मचारी संजय कुमार पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। आदेश के बाद अंचलाधिकारी हाजीपुर ने सदर थाना में हल्का कर्मचारी संजय कुमार और उसके बिचौलियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। संजय कुमार दिग्घी कला (पूर्वी), दिग्घी कला(पश्चिमी) तथा बिशनपुर बालाधारी के हल्का कर्मचारी है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार हल्का कर्मचारी के विरुद्ध जिला प्रशासन को बहुत दिनों से शिकायत मिल रही थी। शुक्रवार को जनता दरबार में आवेदक ठाकुर सोनू कुमार सिंह का आवेदन और उसके साथ दो वीडियो क्लिप प्राप्त होने के बाद तत्क्षण डीएम ने इसकी जांच के लिए हाजीपुर के सीओ को आदेश दिया। जांच में हल्का कर्मचारी द्वारा दाखिल खारिज के लिए पैसा मांगने की बात की पुष्टि हुई। इसके बाद जिला पदाधिकारी के निर्देश पर अंचल अधिकारी ने सदर थाना, हाजीपुर में कर्मचारी संजय कुमार पर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

मिशन दक्ष के 65फीसदी बच्चों का परिणाम अच्छा, अब हर शिक्षक के साथ टैग होंगे पढ़ाई में कमजोर 5 से 7 बच्चे

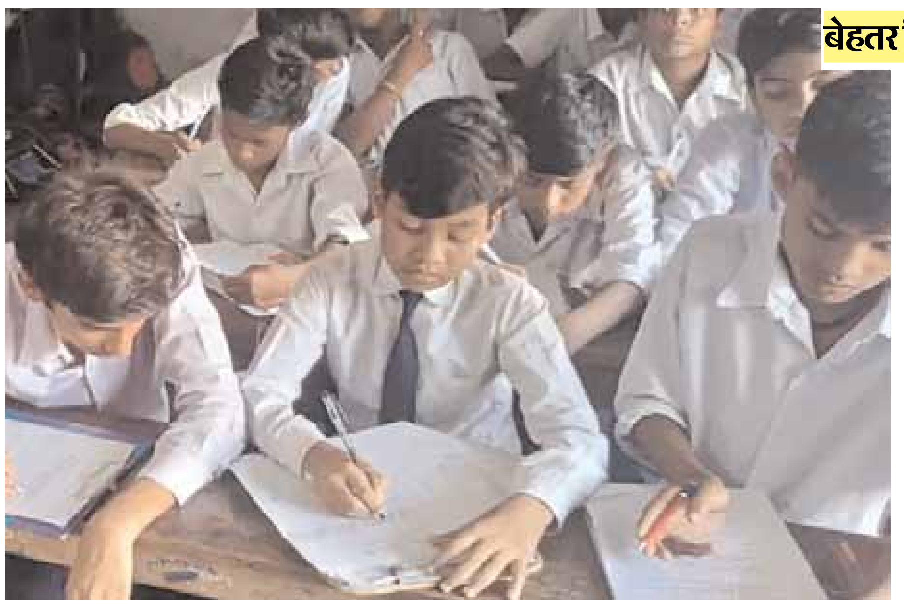

बेहतर रिजल्ट . मिशन दक्ष के 48,522 बच्चों में अधिकर छात्रों ने टेस्ट में किया शानदार प्रदर्शन

दरभंगा, एजेंसी। जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले मिशन दक्ष के 48,522 बच्चों ने टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया है। इन बच्चों के प्रदर्शन को देखते हुए मिशन दक्ष को और भी बेहतर ढंग से संचालन करने की दिशा में कदम उठाने की तैयारी चल रही है। जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 48 हजार 522 बच्चों को पढ़ाई में काफी कमजोर होने पर मिशन दक्ष के तहत स्कूल में अतिरिक्त समय दे कर पढ़ाई कराया गया था। करीब 6 महीने के परिश्रम के बाद ही 48 हजार 522 बच्चों में से करीब 65 फीसदी बच्चों ने टेस्ट में अप्रत्याशित ढंग से पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन किया है। जबकि 27 फीसदी बच्चों के क्लास की किताबों के ज्ञान के स्तर पर काफी सुधार देखने को मिला है। वहीं 7 से 8 फीसदी बच्चे अब भी ऐसे है जिन्हें क्लास की किताब की रीडिंग देने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिला स्तर पर अभी टेस्ट का परिणाम अधिकारिक तौर पर जारी नहीं किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अप्रत्याशित परिणाम पाने वाले छात्रों में कक्षा 6 और 8 के छात्र हैं। जबकि बेहतर प्रदर्शन करने वाले में निचली कक्षा के बच्चे शामिल है। राज्य स्तर की बात की जाए तो 68 फीसदी बच्चों ने अप्रत्याशित परिणाम हासिल किया है। जबकि 32 फीसदी बच्चों ने मिशन दक्ष में पढ़कर शानदार परिणाम हासिल किया है। मालूम हो कि मिशन दक्ष में कक्षा 3 से 8वीं के ऐसे बच्चों को चिन्हित किया जाता है। जो बच्चे अपनी कक्षा की हिंदी, अंग्रेजी और गणित के सामान्य ज्ञान से वंचित हो। ऐसे बच्चों को क्लास के बाद अतिरिक्त समय देकर शिक्षक बेसिक नॉलेज दिया करते थे। परिणाम से उत्साहित शिक्षा विभाग अब नए सिरे से मिशन दक्ष को संचालित करने की तैयारी कर ली है। मिशन दक्ष की कक्षाओं के लिए अलग से नोटबुक रखने की सलाह दी गई प्राथमिक शिक्षा निदेशक मिथिलेश मिश्र ने सभी डीईओ को नया आदेश जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि पिछले दिनों में मिशन दक्ष की कक्षाओं को बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता अप्रत्याशित तौर पर बेहतर हुआ है। पहले से चल रही मिशन दक्ष की कक्षाओं के संचालन में थोड़ा बदलाव करने की जरूरत बताया है। बताए गए सुझाव के तहत अब एक बार फिर से कक्षा 3 से 8 तक के बच्चों की हिंदी, अंग्रेजी और गणित विषय की बुनियादी कौशल दुरूस्त किया जाएगा। प्रत्येक स्कूलों में बच्चों को ऐसे चिन्हित करने की बात कही गई है जिसके तहत स्कूल के प्रत्येक शिक्षकों से 5 से 7 बच्चों को संबद्ध करके व्यक्तिगत ध्यान देने को कहा गया है। इसमें एचएम और प्रभारी एचएम को भी 5 से 7 छात्रों को ध्यान देने की बात कही गई है।

सेवानिवृत्त लिपिक के खिलाफ प्राथमिकी

मुजफ्फरपुर/मुशहरी, एजेंसी। मुशहरी ग्रामीण के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी स्मिता शर्मा ने तत्कालीन सेवानिवृत्त लिपिक संतन पाठक पर मुशहरी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उस पर बड़ा जगन्नाथ पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-231 की सेविका मेनका कुमारी की चयन संचिका, कार्यवाही पंजी और उनके द्वारा अभी तक किसी को प्रभार नहीं देने का आरोप है। स्मिता शर्मा ने बताया कि बड़ा जगन्नाथ के सकिंदर कुमार यादव ने सूचना अधिकार के तहत उक्त केंद्र की सेविका के चयन अभिलेख की मांग की है। संतन पाठक के आवासीय पता पर कई बार पत्र भेजा गया, लेकिन आज तक उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

शांतिपूर्ण तरीके से सौहार्द एवं भाईचारे के साथ मनायें मुहर्रम का त्योहार- जिलाधिकारी

- बिना लाइसेंस के नहीं निकलेगी ताजिया जुलुस
- जुलुस में आग्नेयशास्त्र का प्रदर्शन व डीजे पूरी तरह रहेगा प्रतिबंधित
- जुलुस का वीडियोग्राफी कराना अनिवार्य
- सोशल मीडिया पर साईबर सेल रहेगा एक्टिव

बीएनएम। मोतिहारी

शहर स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में मुहर्रम पर्व को शांति एवं सदभाव के साथ मनाने को लेकर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में जिलास्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा, उपविकास आयुक्त समीर सौरभ, नगर आयुक्त सुमन सौरभ यादव, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी शैलेन्द्र भारती, जिले के सभी अनुमण्डल पदाधिकारी, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी एवं जिला के सभी अंचलों से आये समिति के सदस्यगण उपस्थित थे। उक्त शांति समिति के सदस्यगण को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने कहा कि मुहर्रम शांति एवं त्याग का पर्व है और इस पर्व की महता के अनुरूप इसे शांतिपूर्ण तरीके से सौहार्द एवं आपसी भाईचारे के साथ मनायी जाय। सर्वप्रथम इस बैठक में उपस्थित सभी सदस्यगण का सदर अनुमण्डल पदाधिकारी के द्वारा स्वागत किया गया। इसके पश्चात् एक-एक कर सभी सदस्यों से पर्व को लेकर स्थानीय समस्या और सुझाव साझा किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि ताजिया जुलुस के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य है। बिना लाइसेंस के ताजिया जुलुस नहीं निकाली जाय। जुलुस के लिए जारी किये गये लाइसेंस में जुलुस का मार्ग, समयावधि निर्धारित रहेगा, जिसका अनुपालन करना होगा। जुलुस में आग्नेयशास्त्र का प्रदर्शन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही डीजे प्रतिबंधित है, केवल लाउडस्पीकर की अनुमति रहेगी, लेकिन इसके लिए अनुमण्डल पदाधिकारी की अनुमति जरूरी होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जुलुस का विडियोग्राफी करानी होगी। प्रत्येक जुलुस के साथ स्थानीय स्तर पर समिति के सदस्य भी रहें एवं जिम्मेवार लोंगो की देख-रेख में जुलुस निकाली जाय। प्रत्येक जुलुस के साथ चलने वाले कम से कम 10 (दस) वोलेन्टियर्स का नाम, पता और मोबाईल नम्बर संबंधित थाना को उपलब्ध करा दिया जाय। छोटी से छोटी घटना की जानकारी संबंधित थाना एवं स्थानीय पदधिकारी सहित जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को भी दिया जाय, ताकि समय रहते त्वरित कार्रवाई की जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि थाना एवं अनुमण्डल स्तर पर सभी प्रीवेंटिव एक्शन लिया जा रहा है। हुड़दंगी एवं गुण्डा तत्वों की पहचान कर 107 के अंतर्गत बंध पत्र भरवाया जा रहा है। सभी अनुमण्डल पदाधिकारियों को डीजे संचालको से भी थाना स्तर पर बंध पत्र भरवाने का निर्देश दिया गया। वहीं पुलिस अधीक्षक श्री मिश्रा ने कहा कि पर्व के अवसर पर सुरक्षा की दृष्टिकोण से पुख्ता व्यवस्था रहेगी। सभी चिन्हित एवं संवेदनशील स्थानों, चौक चौराहों पर दण्डाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति रहेगी। सोशल मीडिया पर नजर रखी जायेगी। इसके लिए साईबर सेल एक्टीव रहेगा। उपद्रवी एवं असमाजिक तत्त्वों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई तय मानी जाय। अफवाह फैलाने वाले भी नहीं बचेंगे। उन्होने कहा कि सामप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले कंन्टेंट को फॉरवर्ड करने से बचा जाय। कहा कि निर्धारित रूट से ही जुलुस की अनुमति रहेगी। किसी भी परिस्थिति में रूट चेंज नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ड्रोन के द्वारा विडियाग्राफी करायी जाएगी एवं उचें भवनों पर नजर रखी जाएगी। नशा एवं मादक पदार्थों का सेवन कर जुलुस में चलने वालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि समिति के सदस्यों के द्वारा जो भी मांग की गई है, उसका समुचित अनुपालन सुनिश्चि करायी जाएगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा जिला व्यवहार न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में मुंशी सिंह विधि महाविद्यालय के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के 50 से अधिक छात्र/छात्राओं ने "पैरा लीगल वोलेंटियर्स" की भूमिका का निर्वहन पूरी तन्मयता और आत्मविश्वास के साथ किया। राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन जिला एवं सत्र न्यायाधीश देवराज त्रिपाठी, जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक कांतेश मिश्र और जिला विधिक सेवा प्राधिकार सचिव राजेश कुमार द्विवेदी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर मुंशी सिंह महाविद्यालय के विधि विभागाध्यक्ष सह लॉ इंचार्ज डॉ.मयंक कपिला भी छात्रों सहित उपस्थित रहे। लोक अदालत में 18 विशेष बेंचों के माध्यम से सैकड़ों लंबित वादों जैसे एमएसीटी क्लेम, बैंकिग संबंधी वाद, टेलीफोन एवं वन संबंधी वाद, श्रमिक संबंधी वाद, पारिवारिक विवाद एवं सभी सुलह योग्य आपराधिक एवं दीवानी मामलों का समुचित निष्पादन किया गया।पैरा लीगल वोलेंटियर्स की टीम ने डॉ.मयंक कपिला के कुशल नेतृत्व में न्यायालय परिसर में आए हुए वादी प्रतिवादियों का विधिपूर्वक मार्गदर्शन करते हुए राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ.) अरुण कुमार ने विधि विभाग के छात्र/छात्राओं सहित इनके मार्गदर्शक डॉ.मयंक कपिला को हार्दिक बधाई दी है।यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्राचार्य प्रो.(डॉ.) अरुण कुमार ने दी है।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में जनसंपर्क प्रकोष्ठ का हुआ गठन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी के आदेशानुसार विश्वविद्यालय के जनसंपर्क प्रकोष्ठ का पुनर्गठन किया गया है | महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा अधिसूचित और नवगठित जन-संपर्क प्रकोष्ठ के संयोजक केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्याम नंदन होंगे। इसके अतिरिक्त नौ अन्य लोग भी सदस्य बनाए गए हैं, जिसमें डॉ. अंजनी कुमार झा (विभागाध्यक्ष, मीडिया अध्ययन), डॉ. सपना सुगंधा (विभागाध्यक्ष, प्रबंधन विभाग), डॉ. पंकज कुमार सिंह (राजनीतिक विज्ञान विभाग), डॉ. उमेश पात्रा(अंग्रेजी विभाग), डॉ. कुंदन किशोर (जंतु विज्ञान विभाग), डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा (हिंदी विभाग), डॉ. परमात्मा कुमार मिश्रा (मीडिया अध्ययन विभाग), डॉ. सुनील दीपक घोडके (मीडिया अध्ययन विभाग), डॉ. अनुपम कुमार वर्मा (सामाजिक कार्य विभाग), डॉ. आशा मीणा (हिंदी विभाग) के अलावा केंद्रीय विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी सुश्री शेफालिका मिश्रा सदस्य-सचिव के रूप में शामिल हैं | जन-संपर्क प्रकोष्ठ के नवनियुक्त संयोजक डॉ. श्याम नन्दन ने बताया कि यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय, अकादमिक जगत और इंडस्ट्री के बीच इंटरफेस विकसित करने के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित शैक्षणिक, शोध और अन्य संस्थानों के साथ नेटवर्किंग की सुविधा प्रदान करने, विश्वविद्यालय की सकारात्मक चर्चा, ख्याति एवं प्रतिष्ठा के साथ ही बेहतर ब्रांडिंग के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों और उपलब्धियों के समुचित प्रचार-प्रसार करने, विश्वविद्यालय-परिसर में एक स्वस्थ अकादमिक वातावरण बनाने के लिए शिक्षकों, प्रशासनिक कर्मचारियों और छात्रों के बीच आंतरिक संबंधों को बेहतर बनाने में मदद करने, बड़े पैमाने पर समुदायिक प्रतिभागिता के साथ ही छात्रों के प्लेसमेंट को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न संगठनों के साथ नेटवर्किंग करने तथा विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के साथ सकारात्मक संबंध बनाए रखने के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए बनाया गया है | उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का यह जन-संपर्क प्रकोष्ठ उपर्युक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समय-समय पर विभिन्न कार्यशालाओं, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों तथा अन्य प्रासंगिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ ही विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर सौंपे गए अन्य कार्यों को भी निष्पादित करेगा | यह प्रकोष्ठ अपनी घोषित भूमिकाओं के संबंध में कार्यक्रमों/गतिविधियों के मूल्यांकन, रूपरेखा के निर्माण और सुचारू निष्पादन करने के लिए हर पखवाड़े कम से कम एक बार बैठक कर विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी को इसकी रिपोर्ट सौंपेगा | महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने जनसंपर्क प्रकोष्ठ के नवनियुक्त संयोजक डॉ. श्याम नन्दन सहित सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दीं । जन-संपर्क प्रकोष्ठ के संयोजक सहित सभी सदस्यों को प्रो. प्रसून दत्त सिंह, प्रो. सुनील श्रीवास्तव, प्रो. रफीकुल इस्लाम, प्रो. बृजेश पाण्डेय, प्रो. आनद प्रकाश, प्रो. आर्त्तत्राण पाल, प्रो. शिरीष मिश्रा, प्रो. प्रणवीर सिंह, प्रो. रंजीत चौधरी, डॉ. अंजनी श्रीवास्तव, डॉ. श्याम कुमार झा, डॉ. बिमलेश सिंह, डॉ. गरिमा तिवारी, डॉ. शिवेंद्र सिंह, डॉ. दुर्गेश्वर, डॉ. श्याम बाबू, डॉ, बुद्धिप्रकाश जैन, डॉ. नीलाभ, डॉ. बब्लू पाल, डॉ. पाथलोथ ओमकार सहित संख्या विश्वविद्यालय के शिक्षकों तथा नगर के गणमान्य लोगों में रविशंकर वर्मा, अरुण सिन्हा, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, जीतेन्द्र त्रिपाठी, मनोज क्याल सहित बड़ी संख्या में लोगों ने शुभकामनाएं दीं |

भारत नेपाल सीमा से भारी मात्रा में शराब व कार जब्त

बीएनएम। बेतिया

बेतिया जिले में शराब तस्करों के खिलाफ पुरुषोत्तमपुर पुलिस ने भारत-नेपाल सीमा से भारी मात्रा में नेपाली शराब के साथ एक कार को जब्त किया है। पुलिस के मुताबिक भारत-नेपाल सीमा पर चल रहे शराब तस्करी के खेल को बेतिया पुलिस ज़िला स्थित पुरषोत्तमपुर पुलिस ने बेनकाब किया है । पुलिस ने सेंट्रो कार और 1186 बोतल नेपाली कस्तूरी प्रीमियम देशी शराब को कार सहित जप्त किया है। जबकि तस्कर मौके से फरार हो गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि पुरुषोत्तमपुर पुलिस के द्वारा बार बार शराब तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई तो की जा रही है, लेकिन वहीं कारोबारी मौके से कैसे बार फरार हो जा रहे हैं यह जॉच का विषय हैं।

समावेशी जनसंख्या एवं वर्तमान परिदृश्य" विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सेहत केन्द्र द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में" समावेशी जनसंख्या एवं वर्तमान परिदृश्य" विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। विशिष्ट वक्त्री के रूप में समाज कार्य विभाग की सहायक आचार्या डॉ रश्मिता राय ने वक्तव्य दिया। विश्व जनसंख्या दिवस 2024 की थीम "लीव नो वन बिहाइंड, काऊंट एव्रीवन" को ध्यान में रखते हुए समावेशी और सतत विकास युक्त जनसंख्या पर अपना गहन चिंतन प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता के रूप में गाँधी एवं शान्ति अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ अभय विक्रम सिंह ने विश्व जनसंख्या दिवस की संकल्पना, उद्देश्यों एवं नीतियों पर अपना उद्बोधन दिया। अपने उद्बोधन में डॉ सिंह ने एक संतुलित जनसंख्या को ही समावेशी एवं सतत विकास का उत्तम उपाय बताया। अपने वक्तव्य में डॉ सिंह ने भारतीय सामाजिक चिंतकों के साथ-साथ प्लेटो, अरस्तू आदि अनेक पाश्चात्य समाज वैज्ञानिकों के मर्यादित जनसंख्या एवं सतत विकास सम्बन्धी दृष्टिकोण को भी श्रोताओं के समक्ष रखा। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अध्यापकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित इस रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ अनुपम कुमार वर्मा ने किया। सभी वक्ताओं, श्रोताओं तथा सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापन सेहत केन्द्र के सह समन्वयक डॉ बबलू पाल ने किया।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए वृक्षारोपण बेहद जरूरी : जिलाधिकारी

- चनपटिया प्रखंड के ग्राम पंचायत राज जैतिया वार्ड नंबर 20 अवस्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय, चौबे टोला के प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न
- बच्चों से पढ़ाई और सरकार द्वारा दी जा रही अन्य सुविधाओं को लेकर लिए फीडबैक

बीएनएम। बेतिया

जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में शनिवार को मनरेगा योजना अंतर्गत चनपटिया प्रखंड के ग्राम पंचायत राज जैतिया के वार्ड नंबर 20 अवस्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय, चौबे टोला के प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रांगण में अशोक का पेड़ लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके उपरांत उपस्थित अन्य अधिकारियों एवं केजनप्रतिनिधिगण द्वारा अशोक, महोगनी, सागवान आदि का वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण को संतुलित करने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत ही जरूरी है। सभी लोग कम से कम एक-एक वृक्ष जरूर लगाएं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी व्यक्तियों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाकर पर्यावरण को सुरक्षित रखने में अपनी-अपनी सहभागिता दें। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने राजकीय बुनियादी विद्यालय चौबे टोला का निरीक्षण भी किया। क्लास रूम में पढ़ रहे बच्चों से पढ़ाई और सरकार द्वारा दी जा रही अन्य सुविधाओं को लेकर फीडबैक लिया। बच्चों को अच्छे तरीके से पढ़ाई करने को कहा। साथ ही बच्चों को पढ़ा रहे शिक्षकों

से भी जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा विद्यालय की सम्पूर्ण चहारदीवारी, प्रांगण में अतिरिक्त चापाकल आदि की मांग की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को तत्क्षण चापाकल का अधिष्ठापन कराने का निर्देश दिया। साथ ही चहारदीवारी निर्माण के लिए अग्रतर कार्रवाई करने की बात जिलाधिकारी ने कही। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त प्रतिभा रानी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, चनपटिया प्रणव कुमार गिरी,कार्यपालक अभियंता, डीआरडीए सुरेश कुमार चौधरी मुखिया कृष्णावती देवी उप मुखिया रामप्रवेश कुशवाहा, पंचायत समिति सदस्य शीला देवी सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, ग्रामीण उपस्थित थे।

सरकारी अस्पताल में इलाज कराना है तो मरीज को लाना होगा आधार कार्ड और मोबाइल

- ओपीडी रजिस्ट्रेशन के समय आधार कार्ड मोबाइल नंबर अनिवार्य
- एक जगह रजिस्ट्रेशन हो जाने पर किसी भी सरकारी अस्पताल में हो सकता है इलाज

बीएनएम। बेतिया

बेतिया। सरकारी अस्पताल में इलाज कराने पहुंचने वाले मरीजों को अब सिर्फ नाम, उम्र व पता की जानकारी भर ही देने से काम नहीं चलेगा। अब मरीजों को सरकारी अस्पताल के पर्ची काउंटर पर आधार कार्ड व मोबाइल नंबर देना होगा। आधार कार्ड दिखाने के बाद ही उसका नंबर दर्ज कर इलाज शुरू किया जाएगा। उक्त जानकारी मझौलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ ओमप्रकाश ने दी। उन्होंने बताया कि ओपीडी रजिस्ट्रेशन के समय अस्पताल में आने वाले मरीजों को इलाज कराना है तो अपना मोबाइल और आधार कार्ड लाना होगा। ऐसे में बिना आधार कार्ड और बिना मोबाइल वालों के लिए इलाज कराना मुश्किल हो रहा है। हालांकि अचानक आए नए सर्कुलर से मरीजों को थोड़ी दिक्कत जरूर हो रही है लेकिन इलाज कराने में काफी सहूलियत होगी। उनके इलाज का रिकॉर्ड पूरी तरह स्वास्थ्य विभाग के कंप्यूटर में दर्ज रहेगी। भारत के किसी भी जगह इलाज कराने जाने के लिए स्वास्थ्य विभाग का आभा एप्प जब खोला जाएगा तो उक्त मरीज का पूर्व में हुए इलाज का रिकॉर्ड दिखने लगेगा। साथ ही डॉक्टर द्वारा लिखे गए दवाइयां का विवरण भी

आएगी तथा किस बीमारी से मरीज ग्रसित है उसकी भी जानकारी हो जाएगी। बताते चले कि अब इन दोनों का हवाला देते हुए पर्ची रजिस्ट्रेशन काउंटर से अब टोकन मिल रहा है जिसको लेकर मरीज को डॉक्टर के पास जाना पड़ता है डॉक्टर द्वारा मरीज की जांच करते हुए संबंधित बीमारी और दवाइयां को अपने कंप्यूटर में दर्ज करते हुए दवा वितरण कक्ष में भेजा जाएगा। जहां डाटा कर्मी के द्वारा उसके आधार पर पर्ची निकाली जाएगी तब जाकर उसे पर्ची के आधार पर मरीज को दवा प्राप्त होगी।

एफ एल एन किट से आसान हुआ छोटे बच्चों को गणित सीखनाः मेरी आडलीन

बीएनएम। बेतिया

नरकटियागंज प्रखंड के उच्च विद्यालय डुमरिया इस्टेट में बच्चों ने एफ एल एन किट के माध्यम से गणित विषय को आसानी से हल करना सीख रहे हैं। शिक्षिका मेरी आडलीन ने बताया कि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा निपुण भारत मिशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 3 से 8 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को भाषा और गणित की शिक्षा प्रदान करना है। विद्यालय की शिक्षिका सुश्री मेरी आडलीन ने बताया कि छोटे बच्चों को विषयगत जानकारी देने के लिए प्रायः शिक्षकों द्वारा शिक्षण की अलग-अलग विधियों का इस्तेमाल किया जाता है। जिससे बच्चे आसानी से पाठों को समझ सके और व्यवहारिक ज्ञान से अवगत हो सके। इसके लिए विभाग द्वारा विद्यालयो में एफ एल एन किट उपलब्ध कराई गई है।आज शिक्षिका आडलीन ने बच्चों को एफ एल एन् किट के माध्यम से माप और तौल की जानकारी दी। किट के माध्यम से बच्चों ने वजन और लम्बाई मापने के साधन के बारे में जाना, साथ ही किलोग्राम, ग्राम की जानकारी प्राप्त किया। बच्चों ने स्वयं एफ एल एन् किट के तराजू पर छोटे-छोटे सामग्री को रखकर तौलना सीखा। इस तरह किट की सहायता से बच्चे गणित विषय के साथ ही मापन और तौल क्या है, दोनों में क्या अंतर है उसे जान और सीखा। किट में उपलब्ध तराजू का इस्तेमाल कर बच्चों ने वजन करना सीखा। शिक्षिका ने कहा कि एफ एल एन किट आनंददायी और प्रभावशाली कक्षा संचालन में काफी मददगार साबित है।

भूमि विवाद के लंबित मामलों की मॉनिटरिंग आनलाइन, 'भू-समाधान' पोर्टल शुरू

बीएनएम। गोपालगंज

भूमि-विवाद के मामले हल नहीं होने पर अक्सर प्रशासन के लिए चुनौती बन जाते हैं। खासकर, थाना स्तर से इस तरह के मामलों का समाधान नहीं किये जाने की शिकायत मिलती रहती है। सीओ कार्यालय से संबंधित मामला कहकर आवेदकों को टरका दिया जाता है। ऐसे मामलों में अब थाना के द्वारा ही आवेदकों को पोर्टल पर ऑनलाइन करना होगा। इसके लिए भू-समाधान पोर्टल बनाया गया है। भूमि-विवाद के सभी तरह के मामले का समाधान पोर्टल से होगा। जिसको लेकर जिला पदाधिकारी के निर्देश पर अपर समाहर्ता की अध्यक्षता में समाहरणालय कार्यालय कक्ष में भू समाधान पोर्टल संबंधित समीक्षा बैठक की गयी। जिसमें भू विवाद संबंधित शिकायतों का उपस्थित पदाधिकारियों को अपने स्तर पर शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिया गया। बैठक में बताया गया कि मैनुअल आवेदन की भी इस पोर्टल पर एंट्री की गई है। आवेदकों को पोर्टल पर लोड करने की पहल की गयी है। ऑनलाइन करने का प्रावधान थाना स्तर पर होगा। इसके तहत थाना में व्यवस्था किया गया है। इसके लिए तकनीकी प्रशिक्षण कर्मियों को दिया गया है। आवेदनों को हर हाल में पोर्टल पर अपलोड करना होगा।मामलों के समाधान के लिए थाना स्तर से लेकर राज्य स्तर के अधिकारियों को जिम्मेवारी दी गयी है। हर 20 दिनों के बाद राज्य स्तर पर मामले की समीक्षा की जायेगी।पोर्टल पर दर्ज शिकायत पत्र के खाता-खेसरा का मिलान राजस्व रिकार्ड से किया जायेगा। इसकी अंचल अधिकारी के स्तर पर जांच होनी चाहिए। सीओ संबंधित भूमि का खाता-खेसरा का राजस्व अभिलेख से जांच करने के बाद आगे अग्रसारित करेंगे। इसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, लोक शिकायत निवारण, जिला पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक के स्तर पर सुनवाई कर मामले का निपटारा किया जाएगा।

गंडक नदी में बढ़ते जलस्तर को लेकर एसडीओ और एडीएम ने किया दौरा

बीएनएम। गोपालगंज

भारी वर्षा के कारण बाल्मिकी नगर बैराज से तीन लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना पर एवं गंडक नदी के बढ़ते जल स्तर को देखते हुए जिलाधिकारी मो मकसूद आलम के निदेशानुसार अधिकारियों ने तटबंध डुमरिया घाट और सिधवलिया प्रखंड के बंजरिया गांव का निरीक्षण किया । इस क्रम में टंण्डसपुर छरकी एवं डुमरिया घाट के सभी संवेदनशील संम्भावित कटाव स्थलों एवं जल स्तर का निरीक्षण किया गया। गंडक नदी के बढ़ते जल स्तर को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कार्यपालक अभियंता बाढ़ नियंत्रण द्वारा बताया गया कि अभी जल स्तर और बहाव का दबाव दो लाख क्यूसेक स्तर पर है। प्राप्त सूचना अनुसार 3 लाख क्यूसेक डिस्चार्ज जो कल गुजरने की संम्भावना के मद्देनजर तैयारी पूरी कर ली गयी है। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर जगह जगह बांधो की चौकसी बढ़ा दी गयी है। संभावित बाढ़ से बचाव की तैयारियों पर कार्यपालक अभियंता बाढ़ नियंत्रण प्रमोद कुमार द्वारा बताया गया कि जगह-जगह पर्याप्त मात्रा में ईसी बैग (बालू भरे हुए बोरे) स्टॉक किए गए हैं। निरीक्षण के क्रम में सहायक अभियंन्ता बाढ़ नियंत्रण, अंचल अधिकारी सिधवलिया प्रितीलता भी उपस्थित रहीं।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US

Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

संपादकीय

नाटो, युद्ध और शांति

यह महज संयोग है कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मास्को में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन और वियना में ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के साथ वैश्विक शांति के लिए बुद्ध के उपदेशों पर चर्चा करते हुए अपनी बात को दोहरा रहे थे कि यह युद्ध का समय नहीं है, लगभग उसी समय वाशिंगटन में अमेरिका की अगुवाई वाले नाटो के सदस्य देश रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में घी डालने का काम कर रहे थे। उनका विश्वास है कि रूस युद्ध का समर्थक है और उसने यूक्रेन पर आक्रमण किया है। इतना ही नहीं, रूस यूरोप सहित पूरी दुनिया की सुरक्षा के लिए चुनौतियां पेश कर रहा है। इसलिए नाटो देशों ने घोषणा की है कि अगले एक वर्ष के दौरान यूक्रेन को 40 अरब यूरो डॉलर की सैन्य सहायता दी जाएगी। फरवरी, 2022 से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है जिसमें हजारों निदरेष नागरिक मारे गए हैं। यह सब जानते हुए भी अमेरिका और पश्चिमी देश रूस को चिढ़ाने का काम कर रहे हैं। अमेरिका यूक्रेन को अभी तक 50 अरब डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता दे चुका है। हाल में उसने घोषणा की है कि वह 2026 में जर्मनी में लंबी दूरी की मिसाइलें तैनात करेगा।

इसका उद्देश्य रूस की चुनौतियों का सामना करना है। इसका स्पष्ट मतलब है कि अमेरिका और पश्चिमी देश नहीं चाहते कि शांति वार्ता की मेज पर एक साथ बैठ कर विमर्श करें। राष्ट्रपति पुतिन इस संकेत से अनजान नहीं हैं। शायद इसीलिए उन्होंने पिछले महीने स्विटजरलैंड में आयोजित यूक्रेन शांति सम्मेलन में शामिल होने से इंकार कर दिया। पश्चिमी देश पुतिन को आक्रमणकारी और रक्त पिपासू ठहराते हैं लेकिन यह सच नहीं है। वस्तुतः यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनाने की घोषणा के कारण पुतिन को अपने पड़ोसी पर हमला करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सही मायने में नाटो का विस्तार रूस की सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता है। चीन का भी ऐसा ही मानना है। प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रिया के चांसलर को 19वीं सदी की उस ऐतिहासिक वियना कांग्रेस की याद दिलाई जिसने यूरोप में शांति और स्थिरता कायम करने में महती भूमिका निभाई थी। चांसलर नेहमर को विश्वास है कि भारत रूस-यूक्रेन शांति प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। लेकिन हकीकत यह है कि इस शांति प्रक्रिया में नाटो को आगे आना होगा वरना पूरी दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की चपेट में आ सकती है।

किसानों की सुनवाई जरूरी

न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की कानूनी गारंटी और कृषि ऋण माफी सहित अन्य मांगों को लेकर किसान आंदोलन फिर शुरू किया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा में शामिल अलग-अलग किसान संगठनों का कहना है कि वे प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता, लोक सभा और राज्य सभा के सदस्यों को ज्ञापन सौंपेंगे। इस बार दिल्ली कूच करने की बजाय देशव्यापी विरोध की तैयारी कर रहे हैं। महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा को वे प्रमुखता देंगे। इन राज्यों में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं। फसल बीमा, किसानों को पेंशन बिजली के निजीकरण को बंद करने के साथ सिंधु और टिकरी सीमा पर शहीद किसानों का स्मारक बनाने की मांग भी कर रहे हैं। समर्थन मूल्य को लेकर यह आंदोलन 2020 में शुरू हुआ था।

यूं तो इसे बड़े किसानों का आंदोलन कहा जा रहा है लेकिन किसानों का एक वर्ग मोदी सरकार की कृषि नीतियों से संतुष्ट नहीं है। सरकार की तरफ से मिले आासन और आम चुनाव के दौरान आंदोलन कुछ वक्त के लिए ठहर सा गया था। देश में छोटे किसानों की तादाद बहुत है। दूसरे वे लोग हैं, जो कृषि कायरे के जरिए जीवन यापन करते हैं। उन सबको इन आंदोलनों या मांगों से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। हालांकि अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार हर देशवासी को है। वह सरकार के समक्ष अपनी कोई भी मांग रखने को आजाद है। मगर पिछले आंदोलन के दरम्यान प्रदर्शनकारियों के कारण कई स्थानों पर जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। आगजनी और पथराव हुआ था। सुरक्षाबलों पर हथियार भी प्रयोग हुए। इसी दरम्यान पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा के शंभू बार्डर पर धरनारत किसानों को हटाने के आदेश दिए हैं। राज्य सरकार को भी बैरिकेड हटाने और चड़ीगढ़-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग खोलने का आदेश दिया है। पांच महीनों से अवरुद्ध इस मार्ग के खोलने से कारोबारियों और नियमित यात्रियों को होने वाली असुविधा से निजात मिल सकेगी। हम कृषि प्रधान देश हैं इसलिए उनकी जरूरतों और मांगों की अनदेखी नहीं की जा सकती। मगर उन्हें भी उग्र विरोध से बचना चाहिए। अड़ियल रुख दिखाने की बजाय सरकार को भी छोटे किसानों के हितों की रक्षा में कोई कोताही नहीं बरतनी चाहिए।

साइबर क्राइम : सावधानी ही बड़ा बचाव

भारत में साइबर अपराधों में काफी विविधता आई है। 'तू डाल-डाल, मैं पात-पात' की तर्ज पर अपराधी अब नये-नये तरीकों से साइबर अपराध को अंजाम दे रहे हैं। नई मोडस ऑपरेंडी है 'डिजिटल हाउसअरेस्ट'। इस तकनीक की मदद से ऑनलाइन फ्रॉड में काफी तेजी आई है। उदाहरण के तौर पर,11 मई को एक बुजुर्ग डॉक्टर को डिजिटली हाउसअरेस्ट करके 45 लाख रुपये ठगे गए। 15 अप्रैल को इंदौर के एक दंपति को 53 घंटों तक हाउसअरेस्ट करके रखा गया और लाखों रुपये ठगे गए। 6 जुलाई को वाराणसी में 3 दिनों तक डिजिटल हाउसअरेस्ट के जरिए सोनारपुरा के निहार पुरोहित से 28.75 लाख रुपये ठगे गए।

आजकल ऑनलाइन गेमिंग के जरिए भी ठगी की जा रही है। कूरियर, रिश्तेदार, दोस्त की गिरफ्तारी आदि की धमकी, अश्लील वीडियो आदि नये-नये तरीकों की मदद से ठगी करने की वारदात में तेजी आई है। स्नैप चैट, फेसबुक और इंस्टाग्राम भी अब ठगी के साधन बन गए हैं। मित्र या रिश्तेदार की फर्जी प्रोफाइल बनाकर ऐसी ठगी को अंजाम दिया जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2023 में भारत में 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की गई और पिछले दशक में भारतीय बैंकों में 65017 धोखाधड़ी के मामले दर्ज हुए। ये आंकड़े निश्चित रूप से डराने वाले हैं।

हाल के वर्षो में कॉल फॉरवर्डिंग के जरिए साइबर अपराध करने की घटनाओं में उल्लेखनीय तेजी आई है। टेलीकॉम कंपनियां उपभोक्ताओं को कॉल फॉरवर्डिंग की सुविधा देती हैं, जिसके तहत कॉल एवं एसएमएस को फॉर्वड किया जाता है। इस सुविधा का इस्तेमाल उपभोक्ता तब करते हैं, जब मीटिंग या किसी जरूरी काम में व्यस्त होते हैं, ताकि कोई जरूरी कॉल मिस न हो। इसके जरिए स्कैमर कॉल करके उपभोक्ताओं को यह कहता है कि हम आपकी टेलीकॉम प्रोवाइडर कंपनी से बोल रहे हैं। हमने नोटिस किया है कि आपके नंबर पर नेटवर्क की समस्या है। समस्या को दूर करने के लिए आपको 'स्टार 401 हैशटैग' नंबर डायल करना होगा। यह नंबर डायल करने के बाद उपभोक्ता को अंजान नंबर पर कॉल करने के लिए कहा जाता है। जैसे ही, उपभोक्ता कॉल करता है, उसके सभी कॉल और मैसेज स्कैमर के पास पहुंच जाते हैं। अनुसंधानकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने हाल ही में 'विश्व साइबर अपराध सूचकांक' तैयार किया है, जिसके अनुसार साइबर अपराध के मामले में भारत दुनिया में 10वें स्थान पर है। इस सूचकांक में 100 देशों को शामिल किया गया है। इसके मुताबिक साइबर अपराध के मामले में रूस शीर्ष पर है, जबकि यूक्रेन दूसरे, चीन तीसरे, अमेरिका चौथे, नाइजीरिया पांचवें, रोमानिया छठे और उत्तर कोरिया सातवें स्थान पर है। बीते कुछ वर्षो से गूगल सर्च इंजन पर लोग अपने हर प्रश्न का जवाब ढूंढ रहे हैं। ऐसे मनोविज्ञान को दृष्टिगत कर ठग नामचीन भुगतान एप्स जैसे गूगल पे, फोन पे, पेटीएम के नाम से अपना नंबर इंटरनेट पर सहेज रहे हैं जिसके कारण खुद से लोग हैकर्स के जाल में फंस जाते हैं। अब तो ब्राउजरएक्सटेंशनके डाउनलोडिंग के जरिए भी साइबर अपराध किए जा रहे हैं। यह काम वायरस के जरिए किया जाता है। सार्वजनिक चार्जर पोर्ट के माध्यम से भी मोबाइल एवं लैपटॉप संक्रमित हो जाते हैं। क्रोम, मोजिला आदि ब्राउजर के जरिए किए गए ऑनलाइन लेन-देन ब्राउजर के सर्वर में सेव हो जाते हैं, जिन्हें सेटिंग में जाकर डिलीट करने की जरूरत होती है, लेकिन अज्ञानतावश लोग ऐसा नहीं करते हैं, और इसका फायदा साइबर ठगों को मिल जाता है। फिशिंग के तहत किसी बड़ी या नामचीन कंपनी या फिर यूजर की कंपनी का फर्जी बेवसाइट बनाकर, जिसका स्वरूप असली बेवसाइट जैसा होता है से लुभावने मेल किए जाते हैं, जिसमें मुफ्त में महंगी चीजें देने की बात कही गई होती है। मोबाइल का चलन बढ़ने के बाद हैकर्स एसएमएस या व्हाट्सएप के जरिए भी ऑफर वाले मैसेज भेजते हैं, जिनमें मैलवेयर युक्त हाइपर लिंक दिया हुआ होता है। मैलवेयर, कंप्यूटर या मोबाइल या टैब में इंस्टॉल सॉफ्टवेयर को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ यूजर की वित्तीय जानकारी जैसे डेबिट या क्रेडिट कार्ड का विवरण, उनके पार्सवड, ओटीपी, मोबाइल नंबर, पता, बैंक खाता नंबर, जन्मतिथि आदि चुरा लेता है। यह यूजर की जानकारी के बिना उसके ईमेल खाते से दूसरे को फर्जी ईमेल भी भेज सकता है और इसके जरिए ठगी करने के साथ-साथ संवेदनशील जानकारी अवांछित लोगों को बेची भी जा सकतीं है। साथ ही साथ, इसकी मदद से किसी की सामाजिक प्रतिष्ठा को भी धूमिल किया जा सकता है। आजकल साइबर अपराधी फोन कॉल्स या एसएमएस द्वारा लोगों को बिना कर्ज लिए ही कर्जदार बता कर उनसे पैसों की वसूली कर रहे हैं। ऐसी ब्लैकमेलिंग छोटी राशि मसलन 2000 से 5000 रु पये के लिए ज्यादा की जा रही है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर लोग पुलिस में शिकायत नहीं करें। लोन रिकवरी एजेंट यह धमकी देते हैं, आपने हमसे कर्ज लिया है और अगर दो-तीन दिनों में पैसे वापिस नहीं करेंगे तो आपकी आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल कर दी जाएंगी या आपके सगे-संबंधियों या सहकर्मिंयों के साथ साझा कर दी जाएंगी और सबूत के तौर पर वे मोफ्र्ड तस्वीरें और वीडियो भेजते हैं। मोबाइल एप से लोन लेना सूदखोर या महाजन या साहूकार से भी ज्यादा खतरनाक है। कई बार लोन रिकवरी एजेंट लोगों से सिर्फ पैसे ही नहीं ठगते हैं, बल्कि समाज में उन्हें बदनाम भी कर देते हैं। अगर लोग ब्राउजिंग सेशन के दौरान संदेहास्पद पॉपअप से सतर्क रहें, और सुनिश्चित करें कि वेबसाइट्स या मोबाइल या पब्लिक लैपटॉप या डेस्कटॉप पर कार्ड की जानकारी साझा नहीं करेंगे, अंजान नंबर या ईमेल आईडी से आए अटैचमेंट को तुरंत डिलिट कर देंगे और ऑनलाइन लॉटरी, कैसिनो, गेमिंग, शॉपिंग या फ्री डाउनलोड वाले मैसेज की उपेक्षा करेंगे तो फिशिंग मेल या एसएमएस या व्हाट्सएप के जरिए फॉर्वड होने वाले संदेहास्पद हाइपर लिंक के जाल से बचा जा सकता है। मामले में सावधानी ही बचाव है। लालच नहीं करें। यह सभी समस्याओं की जड़ है। मनोवैज्ञानिक दबाव में नहीं आएं। धमकी मिलने पर पुलिस की मदद लेने से हिचकें नहीं। तभी साइबर अपराध का शिकार बनने से बचा जा सकता है।

-सतीश सिंह

मौसम परिवर्तन : बच्चों पर जानलेवा कहर

हाल के अध्ययनों से पता चला है कि भारत में हर घंटे औसतन 345 नवजातों का समय से पहले जन्म हो रहा है यानी मां के गर्भ में शिशु का नौ महीने तक विकास होता है, तब जन्म लेता है, पर अब ऐसी स्थिति में बदलाव हो रहा है, जिससे 'प्री टर्म बर्थ' बढ़ रहे हैं। देखें तो विश्व में हर दो सेकंड में एक नवजात का समय से पहले जन्म हो रहा है। और हर 40 सेकंड में इनमें से एक की मौत हो रही है। इस गंभीर समस्या को फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ता सामने लाए हैं। शोध के निष्कर्ष 'साइंस ऑफ द टोटल एनवायरमेंट' में प्रकाशित हुए हैं। नवजात शिशुओं का समय से पहले मां के गर्भ से बाहर आना जलवायु परिवर्तन के कारण माना जा रहा है। जलवायु में आ रहे ऐसे बदलाव का सीधे तौर पर संबंध बच्चों की सेहत से जुड़ा है। तापमान में निरंतर बढ़ोतरी होने से न केवल प्री टर्म बर्थ हो रहे हैं, बल्कि शिशुओं की मृत्यु दर भी बढ़ रही है। ऐसी ही शेध जर्मनी के पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इंपैक्ट रिसर्च के शोधकर्ताओं ने 29 निम्न और मध्यम आय वाले देशों पर किए। एक शोध के अनुसार, चार प्रतिशत से अधिक नवजातों की मृत्यु जलवायु परिवर्तन की वजह से होने वाले अधिकतम और न्यूनतम तापमान से जुड़ी है।

ये निष्कर्ष 'नेचर कम्युनिकेशन' पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार पिछले 18 वर्षो में एक लाख 75 हजार नवजातों की मौत उन 29 निम्न और मध्यम आय वाले देशों में चार फीसद में से औसतन 1.5 फीसद सालाना नवजात मौतें अत्यधिक तापमान से जुड़ी थीं। वहीं करीब तीन फीसद अत्यधिक ठंड से हुई थीं। इसके अलावा, 18 वर्ष की इस अवधि में नवजात शिशुओं में गर्मी से जुड़ी 32 फीसद मौतों के लिए जलवायु परिवर्तन जवाबदेह है। इसका मतलब है कि इस दौरान नवजात शिशुओं की गर्मी से जुड़ी कुल मौतों में से 1 लाख 75 हजार से अधिक मौतें जलवायु परिवर्तन के कारण मानी जा रही हैं।

शोध के आंकड़ों के अनुसार, पहले नवजात शिशुओं का जलवायु परिवर्तन की वजह से 2001 से 2019 के दौरान औसत सालाना तापमान में 0.9 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। दूसरा नवजात शिशुओं की शरीर तापमान नियंत्रण की क्षमता अधूरी होती है। उनका शरीर गर्मी पर काबू पाने के लिए पूरी तरह से विकसित नहीं होता। उच्च चयापचय और पसीने की दर कम होने से उन्हें शरीर से अतिरिक्त गर्मी को निकालना कठिन हो जाता है। तीसरी स्थिति में शोधकर्ताओं का मानना है कि उप-सहारा अफ्रीकी देशों में अत्यधिक तापमान की वजह से नवजात शिशुओं की मौतों पर ग्लोबल वार्मिंग का सबसे अधिक असर देखा गया है।

चौथी स्थिति में पाकिस्तान, माली, सिएरा लियोन और नाइजीरिया में तापमान से जुड़ी नवजात शिशु मृत्यु दर सबसे अधिक थीं। इनमें एक लाख जीवित जन्मों में से 160 से अधिक मौत बढ़े हुए तापमान से हुई। 2019 में विश्व भर में 24 लाख नवजात शिशु मौतें हुईं। इनमें से 90 फीसद से अधिक नवजात मृत्यु निम्न और मध्यम आय वाले देशों विशेषकर उपसहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में हुई। मौसम परिवर्तन तो प्रकृति का नियम है, पर उस परिवर्तन में हम तेजी से बदलने के लिए उत्प्रेरक का काम कर रहे हैं। मनुष्य की इच्छाएं तेजी से बढ़ रही हैं और परिवर्तित भी हो रही हैं। इस परिवर्तन में तेजी लाने का कारण हमारी तकनीकी सहायक हो रही हैं। तकनीकी का विकास मानव मस्तिष्क की खोजी प्रवृति है। इस खोज में हम भूल रहे हैं कि प्रकृति का दोहन एकदम नहीं, बल्कि धीरे-धीरे करना होगा।

वैज्ञानिक उपलब्धियों से तो हम दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन इस दौड़ में प्रकृति के साथ संतुलन भी करना होगा। हम इस अच्छी तरह से जानते हैं कि पृथ्वी पर वनस्पतियों और वृक्षों का संतुलित अनुपात में होना आवश्यक है। वन धरती की प्यास बुझाते हैं, लेकिन वनों की हमने कटाई इस तरह से कर दी है कि कार्बन डाइआक्साइड और आक्सीजन का संतुलन ही हम मिटाने पर तुले हैं। मानसून पर ही यदि हम एक दृष्टि डालें, तो पता चलेगा जिन पर्वतों पर वृक्ष और वन होते थे, वे समाप्ति की ओर हैं।

पहाड़ों के बड़े वृक्ष भूमि का कटाव नहीं होने देते थे। उनकी जड़ें मजबूती से पहाड़ों की मिट्टी में धंसकर वष्रा के जल को एकदम मैदानों की तरफ नहीं आने देती थीं, जिसकी वजह से नदियों में जलस्तर एक ही बरसात से खतरे से ऊपर नहीं होता था। वह स्थिति आज नहीं रही है। वनों से ऐसे पेड़, जो मैदानी भागों की सुरक्षा कवच का काम करते थे, कट चुके हैं। संतुलित वातावरण कहीं पर नहीं मिल पा रहा है जिसके कारण जिन नवजात पर मृत्यु का कहर ढह रहा है, उसको रोक पाने में हम अक्षम हैं। सरकार कोई भी आए और जाए, जब तक नियोजित विकास का रास्ता नहीं अपनाएंगे तब तक प्राकृतिक आपदाएं मुंह बायें खड़ी रहेंगी।

- भगवती प्र. डोभाल

आज का पंचांग

विक्रम संवत् 2081, शक संवत् 1946, मास आषाढ़ पक्ष शुक्ल, तिथि अष्टमी 17.27 बजे को समाप्त। नक्षत्र चित्रा 22.07 बजे को समाप्त। योग शिव 06.15 बजे को समाप्त।

आज का राशिफल

मेष : अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

मिथुन : जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभयए चिंताए संतान को कष्टए अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें।

कर्क : परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करेंए जान है तो जहान हैए अतरूवाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें।

सिंह : नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। स्थान परिवर्तन की संभावना हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे।

कन्या : धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें।

तुला : सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं।

वृश्चिक : उत्साह में वृद्घि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी।

धनु : लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ।

मकर : आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगीए लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा व हर्ष पूर्ण माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धार्मिक यात्रा शुभ है।

कुंभ : अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्घि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। इच्छित कार्य सफल होंगें।

मीन : व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

जानकारी

अगर तनाव को रखना है दूर तो डाइट में शामिल करें ये पांच सुपर फूड

आज हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी बात को लेकर तनाव में रहता है। अगर कहा जाए कि व्यक्ति के तनाव के पीछे समस्याओं से ज्यादा उसका खान-पान जिम्मेदार है तो शायद कुछ गलत नहीं होगा। जी हां, आजकल लोग पोषण से ज्यादा स्वाद के लिए भोजन करते हैं। जबकि व्यक्ति का आहार ऐसा होना चाहिए, जो उसके शारीरिक विकास के साथ-साथ उसके मानसिक पोषण का भी ध्यान रखें। ऐसा इसलिए, क्योंकि आप जिस तरह का भोजन करेंगे, वैसी ही आपकी दिमागी सेहत होगी। तो आइए आपको बताते हैं, 5 ऐसे सुपर फूड जो आपकी दिमागी सेहत का ध्यान रखते हुए आपको स्ट्रेस से रखेंगे कोसों दूर।

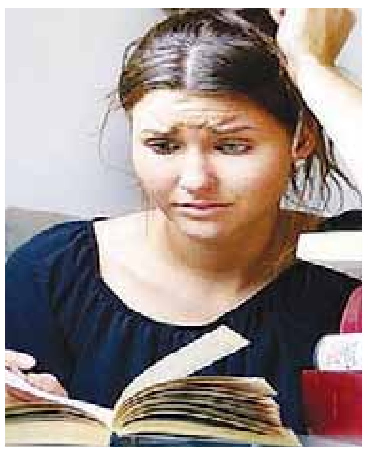

खूब पानी पीएं

आपको तनाव दूर करने के लिए सबसे पहले पानी पीने की आदत डालनी होगी। व्यक्ति को दिनभर में कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए। ऐसा करने से शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या नहीं होती है। हाल ही में हुए एक शोध में भी यह पाया गया कि डिहाइड्रेशन व्यक्ति के मेंटल कॉन्सेंट्रेशन लेवल को बिगाड़ देता है।

सुबह का नाश्ता न भूलें

सुबह का नाश्ता शरीर के मेटाबॉलिज्म को बनाए रखने का काम करता है। सेहत से जुड़े एक शोध में बताया गया है कि जो लोग सुबह का नाश्ता किसी भी वजह से मिस नहीं करते हैं उनमें न करने वालों की तुलना में डिप्रेशन की संभावना 30 प्रतिशत तक कम होती है।

विटामिन डी

विटामिन डी दिमाग और शरीर दोनों को पोषण देने का काम करता है। जिसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन यानि मानसिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता। मनोविशेषज्ञों ने पाया है कि विटामिन डी जिन लोगों में कम होता है, उनमें डिप्रेशन ज्यादा पाया जाता है। जबकि इसकी जरुरतभर भर मात्रा लेने वाले लोगों में डिप्रेशन कम होता है। विटामिन डी का सबसे अच्छा स्रोत सूरज की किरणें हैं। हफ्ते में दो बार 30 मिनट सूरज के सामने खड़े रहने से आपको इसका लाभ मिल सकेगा।

ओमेगा 3

मूड लिफ्टिंग से परेशान लोगों को अपनी डाइट में ऐसी चीजों को शामिल करना चाहिए, जिसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता हो। ओमेगा 3 फैटी एसिड अवसाद के इलाज के लिए कारगर है। ये न व्यक्ति का अवसाद दूर करता है बल्कि अस्थमा और गठिया को भी ठीक करने का काम करता है। मछली, अखरोट, अलसी के बीज, ऑलिव ऑयल और गाढ़े हरे रंग की पत्तेदार सब्जियों में ओमेगा 3 फैटी एसिड काफी मात्रा में पाया जाता हैं।

कैफीन की मात्रा कम करें

तनाव को लाइफ से दूर भगाने के लिए आपको कैफिन से दोस्ती तोड़नी होगी, जी हां कैफीन उन लोगों में पैनिक अटैक की संभावना को बढ़ा देती है, जिनको ऐंग्जाइटी डिसऑर्डर है।

जल्दी मोटे कैसे हों?

हम बताएंगे उपाय

आप में से कई ऐसे लोग होंगे, जिनका ऐसा मानना है कि वह कितना भी भोजन कर लें, लेकिन उनका शरीर पतला का पतला ही है। दुबले-पतले शरीर को मोटा बनाने के लिए कई तरह के उपाय करने के बाद भी अगर आप इसमें सफल नहीं हो पा रहे हैं, तो आपके लिए आज कुछ आसान उपाय बताने जा रहे हैं, जिसके नियमित प्रयोग से आपका वजन जरूर बढ़ेगा और आपको दुबले पतले शरीर से छुटकारा भी मिलेगा।

कैलोरी के साथ उच्च मात्रा में प्रोटीन भी लें

सिर्फ कैलोरी ही आपके वजन को बढ़ाने में मदद नहीं करती। वजन को बढ़ाने के लिए सही मात्रा में प्रोटीन लेना भी बेहद जरूरी है। अंडा, मीट, मछली, चिकन, दाल, अंकुरित अनाज और डेरी उत्पाद की प्रोटीन से शरीर समृद्ध होता हैं। प्रोटीन में एमिनो एसिड होता है, जो आपकी मांसपेशियों के लिए बेहद फायदेमंद है। ये आहार आपकी मांसपेशियों को टोन और बढ़ाने के लिए बेहद लाभदायक हैं।

स्वस्थ वसा

अच्छा वसा मांसपेशियों के विकास और हॉर्मोन्स के उत्पादन के लिए बेहद जरूरी है, जैसे टेस्टोस्टेरोन। ये मांसपेशियों के विकास और मजबूती के लिए बेहद आवश्यक है। ये मेटाबोलिक के स्तर को बढ़ाती है और इससे शरीर में बेकार वसा निकलने लगता है और अच्छा वसा जमा होता जाता है। अच्छा वसा नट्स, हरी सब्जियों, सल्मोन, अलसी के तेल, एवोकाडो के तेल और अन्य बीज से मिलता है।

वजन बढ़ाने वाले सप्लीमेंट्स

कुछ मामलों में, डाइट और व्यायाम आपकी उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाते और इस तरह आपका वजन वहीं का वहीं रह जाता है। इसलिए वजन को बढ़ाने के लिए दूसरा विकल्प आप चुन सकते हैं - अपने आहार के साथ साथ सप्लीमेंट्स का भी सेवन करें, जैसे प्रोटीन पाउडर जिसे आप अपने दूध में मिलाकर पी सकते हैं। ये सप्लीमेंट्स मांसपेशियों और वजन को बढ़ाने में मदद करते हैं।

योग: योग कई समस्याओं का इलाज करता है, जैसे तनाव, बेकार मेटाबोलिज्म और स्टामिना की कमी आदि। ये आपके वजन को बढ़ाने में भी बेहद फायदेमंद है। कई योगासन को करने से आपकी भूख बढ़ती है जैसे सर्वांगासन और पवनमुक्तासन। ये आपके पेट से संबंधित समस्याओं को ठीक करते हैं और भूख को बढ़ाते हैं।

व्यायाम: कमजोर मांसपेशियों में वसा जमा होने से न ही ये मजबूत होती है, बल्कि इनमे मॉस भी बढ़ता है। इसके अलावा कुछ व्यायाम भी हैं जो आपकी मांसपेशियों को बढ़ाने में मदद करेंगे।

- हर दिन दो चम्मच च्यवनप्राश खाने से आपके शरिर को रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है, तब आप जो भी भोजन करेंगे उसका सार्थक असर आपके शरिर पर पड़ेगा।
- पाचन तंत्र को बेहत बनाने के लिए मुलेठी का प्रयोग लाभदायक होता है, अगर आपका पाचन तंत्र बेहतर होगा तब आप जो भी भोजन करेंगे वो बेहतर तरीके से पचगेगा और आपके शरिर पर इसका सार्थक असर होगा।
- इसके अलावा शतावरी का प्रयोग भी पाचन तंत्र के लिए बेहतर होता, जो आपको जल्दी मोटा होने भी मदद करेगा।

हालांकि, ध्यान रखें कि बीएमआई स्केल के साथ कई समस्याएं भी होती हैं, जो केवल वजन और ऊंचाई पर आधारित होती हैं। यह मांसपेशियों से संबंधित नहीं होता है। कुछ लोग स्वाभाविक रूप से बहुत पतले होते हैं, लेकिन फिर भी स्वस्थ होते हैं। इस पैमाने के अनुसार वजन कम होने का मतलब यह नहीं है कि आपको स्वास्थ्य समस्या है।

कम वजन की समस्या 2-3 गुना लड़कियों और महिलाओं में होना अधिक आम है।

सामान्य से कम वजन होने के कारण

कई चिकित्सकीय स्थितियां हैं जो अस्वास्थ्यकर वजन घटाने का कारण होती हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

आहार-संबंधी विकार: इसमें एनोरेक्सिया नर्वोसा की स्थिति हो सकती है, जो गंभीर मानसिक बीमारी है। इसमें व्यक्ति की अपने शरीर, भोजन और खाने की आदतों के बारे में सोचने-समझने की क्षमता बदल जाती है।

- अशवगंधा का दो चम्मच चूर्ण एक चम्मच मक्खन के साथ मिलाकर रात को सोने से पहले लेने से बेहद फायदा होता है। इसका इस्तेमाल लंबाई बढ़ाने में भी फायदेमंद साबित होता है।
- सुखी अंजीर और किशमिश को शाम में पानी में डालकर छोड़ दें और इसका सेवन सुबह करें, कुछ ही दिनों के नियमित प्रयोग से आपको जरूर लाभ होगा।
- एक गिलास दूध के साथ एक आम खाएं, अगर दिन में ऐसा दो-तीन बार करते हैं तो आपको इसका सार्थक असर सप्ताह भर में ही देखने को मिलेगा।

थायराइड संबंधी समस्याएं: हाइपर थायरायडिज्म (थाइरोइड हार्मोन की अधिक मात्रा) होने से चयापचय को बढ़ावा मिलता है और अस्वास्थ्यकर वजन घटने का कारण बन सकता है।

सीलिएक रोग: सीलिएक रोग में ग्लूटन गेहूं में पायी जाने वाली प्रोटीन) खाने से छोटी आंतों को नुकसान होता है। इस बीमारी से ग्रस्त अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि उन्हें ये बीमारी है।

डायबिटीज अनियंत्रित: डायबिटीज (मुख्य रूप से टाइप 1) से भी वजन कम हो जाता है।

कैंसर : कैंसर ट्यूमर अक्सर बड़ी मात्रा में कैलोरी बर्न करते हैं और इसके कारण बहुत अधिक वजन कम हो जाता है।

संक्रमण: कुछ संक्रमण बहुत अधिक वजन कम कर सकते हैं। इनमें परजीवी, टीबी और एचआईवी-एड्स संक्रमण प्रमुख हैं। यदि आपका भी वजन कम है, तो आपको डॉक्टर के पास जाना चाहिए। यदि आपने हाल ही में बिना कोशिश किए काफी वजन कम किया है तो उपर्युक्त स्थितियां गौर करने योग्य हैं।

सुझाव

आईलाइनर लगाना भी एक कला है

रखें इन बातों का ध्यान

खूबसूरत दिखने के लिए हल्का सा काजल ही यूं तो काफी होता है, मगर अवसर और पहनावे को देखते हुए कई बार आंखों को आकर्षक दिखाने के लिए अतिरिक्त मेकअप करने की जरूरत होती है। ऐसे में काजल के बाद याद आता है आईलाइनर। मगर इसे इस्तेमाल करना इतना आसान नहीं है। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें-

- आंखों का मेकअप चेहरे का लुक बदल देता है। काजल के बाद अगर आईलाइनर लगा लिया जाए तो आंखें बोल उठती हैं। आजकल आईलाइनर के कई ट्रेंड्स हैं, जो लड़कियों और महिलाओं के बीच पसंद किए जा रहे हैं। रोजाना भले ही ब्लैक आईलाइनर लगाती हों, मगर बात जब पार्टी या फंक्शन की आती है तो ज्यादातर लड़कियां कलर आईलाइनर ही लगाना पसंद करती हैं। हालांकि रंग कोई भी हो इसमें सबसे ज्यादा जरूरी है कि आईलाइनर लगाया कैसे गया है। इसलिए कुछ बातों का ध्यान रखें-
- **पलकों के कोने से लगाएं:** आईलाइनर लगाते समय उसे पलकों के बाहरी कोने से लगाना शुरू करें, क्योंकि अंदर के कोने से लाइनर लगाते समय वह मोटी बन सकती है, जिससे चेहरे का लुक बिगड़ सकता है।
- **पेंसिल है बेहतर:** लिक्विड के बजाय कलर या ब्लैक आईलाइनर लगाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है। इससे भी आपको पार्टी या फंक्शन में ग्लैमरस लुक मिल सकेगा। ग्लिटर हो तो ऐसा हल्के पेस्टल शेड्स गहरी और लाइट स्किन टोन के साथ मिक्स हो जाते हैं। इसलिए लाइट शेड वाले ग्लिटरी आईलाइनर का ही चुनाव करें।
- ब्लैक या रंग-बिरंगे आईलाइनर हमेशा स्किन टोन के हिसाब से लगाएं। इससे रंगत और निखर जाती है। ब्रश का ध्यान रखें आईलाइनर के लिए ब्रश के इस्तेमाल में सावधानी बरतनी चाहिए। इसके लिए एंगल्ड या पतले लाइनर ब्रश सही रहते हैं। ब्लैक और कलर्ड लाइनर, दोनों के लिए ऐसे ब्रश ठीक रहते हैं।

वायरल संक्रमण से सुरक्षित रहेंगे आपके बच्चे

इस मौसम में वायरल संक्रमण की आशंका काफी बढ़ जाती है। प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण खासकर बच्चे इसकी चपेट में सबसे ज्यादा आते हैं, लेकिन आप अपने बच्चे को इन संक्रमणों की चपेट में आने से वक्त रहते बचा सकते हैं। वायरल संक्रमणों में भी रोटावायरस और एंटरिक वायरल (आंत संबंधी संक्रमण) जैसी बीमारियां बड़ों की तुलना में बच्चों के लिए अधिक गंभीर खतरा पैदा करती हैं।

बाल अवस्था के ज्यादातर वायरल संक्रमण ज्यादा गंभीर नहीं होते। इनमें सर्दी लगना, नाक बहना, आंखों से पानी निकलना, गले में खराश होना, बुखार होना, त्वचा पर चकत्ते पड़ना और उल्टी व दस्त जैसी विभिन्न बीमारियां शामिल हैं। व्यापक पैमाने पर चलाए गए टीकाकरण के चलते खसरा जैसे गंभीर खतरे पैदा करने वाली कुछ संक्रामक बीमारियां अब कम ही देखने को मिलती हैं।

...तो बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाएं

यदि आपके बच्चे में बीमारी के लक्षण एक सप्ताह से ज्यादा दिखाई दें, तो उसे डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए। यह शरीर की तरफ से स्पष्ट तौर पर वायरल संक्रमण के खिलाफ एक कॉल हो सकती है, जो न्यूमोनिया आदि जैसी गंभीर बीमारी में बदल सकती है। ऐसे समय में बच्चे का रक्त परीक्षण कराकर मलेरिया, डेंगू, टाइफॉइड, चिकनगुनिया, अर्बोवायरस आदि बीमारियों समेत संपूर्ण ब्लड काउंट अवश्य जांच लेना चाहिए। मौसम में बदलाव या भारी बारिश होने के दौरान अभिभावक अमूमन अपने बच्चों की अतिरिक्त देखभाल करते ही हैं, लेकिन यह जानना बेहद अहम है कि बच्चों को अन्य मौसम में भी अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है।

बच्चों को सुरक्षित रखने के उपाय

रूमाल की जगह टिश्यू पेपर रखें : अभिभावक आमतौर पर अपने बच्चों की बहती नाक और मुंह बार-बार पोंछने के लिए सूती रूमाल अपने साथ रखते हैं। यह बेहद खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इससे बच्चे बार-बार संक्रमण के संपर्क में आते हैं। कपड़े के रूमाल की तुलना में भीगे मेडिकेटिड स्किनकेयर वाइप और टिश्यू पेपर त्वचा के लिए ज्यादा कोमल साबित होते हैं और इनकी सबसे अच्छी बात ये है कि इन्हें उपयोग करने के बाद आसानी से फेंका जा सकता है। अभिभावकों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि हाथों में चिपक जाने वाले हानिकारक विषाणुओं से बचाव के लिए नाक साफ करने के बाद हर बार तुरंत अपने हाथ पानी व साबुन की मदद से अच्छी तरह से धोएं। इतना ही नहीं बच्चों को पड़ोस या स्कूल में खेलते समय उन बच्चों से दूर रखना चाहिए, जो संक्रामक बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। अच्छी तरह हाथ धोने और नाखूनों की सफाई करते हुए उचित स्वच्छता बनाए रखना जरूरी है।

सफाई का ध्यान रखें

मच्छर, मक्खी, खटमल आदि हानिकारक कीटाणुओं एवं विषाणुओं के सबसे सक्रिय वाहक होते हैं। बच्चे इनका सबसे आसान निशाना होते हैं। मच्छरों से बचाव के लिए अपने आसपास पानी जमा नहीं होने दें। सुबह और शाम के समय बच्चों को घर से बाहर कम ही निकलने दें। अपने आस-पड़ोस में कूड़ा-कबाड़, बेकार कंटेनर और डिब्बे आदि जमा नहीं होने दें, क्योंकि इनमें ही मच्छरों का प्रजनन होता है।

समय पर टीकाकरण

शिशुओं और बच्चों को जानलेवा संक्रमण और बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण सबसे अच्छा और प्रभावी तरीका है। इसके बावजूद माता-पिता इस पहलू की अनदेखी करते हैं। बच्चों में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर ही अभिभावक उन्हें टीका लगवाने के लिए हॉस्पिटल ले जाते हैं।

डिफ्थीरिया, टेटनस, और हूपिंग कफ (काली खांसी), पोलियो (आईपीवी), रोटावायरस (आरवी), इन्फ्लुएंजा (फ्लू), खसरा, कंठमाला, रूबेला (एमएमआर) से बचाव के लिए बच्चे को शुरू से निर्धारित समय पर बीमारियों से संबंधित टीके अवश्य लगवाएं।

प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत करना

वायरल संक्रमणों से बचाव करने के लिए बच्चों के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करना सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। इसके लिए बच्चों को संतुलित खुराक के साथ पौष्टिक खाना दें। नवजात शिशुओं के लिए मां का दूध सबसे अच्छा पौष्टिक भोजन होता है। ताजा फल और सब्जी हर उम्र के बच्चों के लिए आवश्यक होते हैं। पानी, दूध और फलों के जूस के जरिए बच्चों के शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखें। बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए हानिकारक सोडा, चिप्स, चॉकलेट और कुकीज जैसे खाद्य पदार्थ कम-से-कम दें। उनके खान-पान में दलिया एवं अनाज को प्रमुखता से शामिल करें, क्योंकि इनसे उन्हें बहुत सारे पोषक तत्व मिलते हैं।

माता-पिता भी रखें अपना ध्यान

माता-पिता को वायरस से बचाव के लिए अपना भी ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि माता या पिता में से किसी एक को भी संक्रमण होने पर बच्चों के इसकी चपेट में आने की आशंका काफी बढ़ जाती है।

रेसिपी

दूध की सेवइयां

सामग्री

- सेवई: ½ कप
- चीनी: ½ कप
- घी: 2 बड़े चम्मच
- काजू कतरे हुए: 8-10
- बादाम: 8-10
- इलायची: 4

विधि

सबसे पहले काजू और बादाम छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद गैस पर एक कड़ाही चढ़ा लें। इसमें घी डालकर गर्म करें। घी गर्म होने पर इसमें सेवइयां डालकर उसे हल्का ब्राउन होने तक फ्राई करें। फिर उसमें कटे हुए बादाम और काजू डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिलाकर थोड़ी देर और फ्राई करें। हल्के फ्राई होने पर सेवइयों को एक सूखी प्लेट में निकाल लें। अब सेवइयों को मीठा करने के लिए चाश्नी बना लें। इसके लिए एक गहरी तली वाला एक बर्तन लेकर उसमें पानी डाल दें। पानी के उबालने पर इसमें चीनी डालकर तब तक पानी को पकाएं। जब तक चीनी पानी में पूरी तरह से घुल नहीं जाती। जब चीनी पानी में घुल जाए तो इसमें भुनी हुई सेवइयां डालकर उसे ढक दें। सेवइयों को चाश्नी में 5 मिनट तक मध्यम आंच पर पकने दें। इसके बाद इसमें इलायची पाउडर डालकर एक बार फिर अच्छे से 5 मिनट तक चलाते हुए मिक्स कर लें। 5 मिनट बाद गैस बंद करके सेवइयों को प्लेट से ढक दें। थोड़ी देर बाद सेवइयों को एक सर्विंग बाउल में निकालकर गरमा गरम सर्व करें।

ओट्स की रोटी

सामग्री

- ओट्स : ½ कप
- प्याज : ¼ कप
- होलव्हीट आटा : 1 कप
- धनिया : 1/ कप
- तेल : 1 टेबलस्पून
- चिली पाउडर : ½ टेबलस्पून
- नमक : 1 टेबलस्पून

विधि

एक कटोरे में गेहूं का आटा लें। इसमें ओट्स, कटी हुई प्याज, धनिया, हरी मिर्च, नमक और तेल डालकर अच्छे से मिलाएं। थोड़ा सा पानी डालकर इसका मुलायम आटा अच्छी तरह से गूंथ लें। इसे ढक कर आधे घंटे के लिए रख दें। अब आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें और सामान्य रोटी की तरह बेल लें। गर्म तवे पर इसे दोनों तरफ से अच्छे से सेक लें। आप चाहें तो इस पर तेल लगाकर भी सेक सकती हैं। अच्छी तरह सिकी गरमागरम और कुरकुरी ओट्स रोटी लो फैट दही के साथ सर्व करें।

यशस्वी और शुभमन तोड़ सकते है मेरा रिकार्ड : लारा

जमैका। वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा ने भारतीय टीम के युवा क्रिकेटरों यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। लारा ने कहा है कि यशस्वी और शुभमन में मेरे टेस्ट में 400 रन के विश्व रिकार्ड को तोड़ने की पूरी क्षमताएं हैं। लारा ने साल 2004 को इंग्लैंड के खिलाफ 400 रन बनाये थे। इसके बाद से ही यह रिकॉर्ड कायम है। लारा ने कहा कि वीरेंद्र सहवाग, क्रिस गेल, सनथ जयसूर्या जैसे बल्लेबाजों ने तिहरा शतक लगाया पर वह मेरे रिकार्ड तक नहीं पहुंच पाये।

लारा ने कहा कि अगर यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल को सही स्थिति मिलती है, तो वह 400 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं।

वहीं यशस्वी जायसवाल ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ दो दोहरे शतक लगाकर लंबी पारी खेलने की अपनी क्षमताएं पहले ही दिखा दी है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपने टेस्ट करियर में 16 पारियों में 68.53 की औसत से 1028 रन बनाए हैं। वहीं शुभमन गिल ने भी अपने करियर की अच्छी शुरुआत की और ऐतिहासिक गाबा टेस्ट के पांचवें दिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच जीतने वाली 91 रन की पारी खेली। अब तक 25 मैचों में, इस युवा खिलाड़ी ने 35.52 की औसत से 1492 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक और छह अर्द्धशतक शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि आज इंग्लैंड के जैक क्रॉली और हैरी ब्रुक भी काफी आक्रामक खिलाड़ी हैं। क्रॉली का टेस्ट में सर्वोच्च स्कोर 267 है। दूसरी ओर ब्रूक टेस्ट क्रिकेट में उभरते क्रिकेटरों में से एक हैं जिन्होंने अपने करियर में अब तक 20 पारियों में 62.15 की औसत और 91.76 की स्ट्राइक रेट से 1181 रन बनाए हैं। ब्रूक ने अपने छोटे करियर में अब तक 186 रन का सबसे अधिक स्कोर बनाया है।

अब एशिया कप पर है हरमनपीत की नजरें

पाक के साथ मुकाबले को किसी अन्य मैच की तरह ही लेंगी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज में जीत से उत्साहित भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का लक्ष्य अब 19 जुलाई से श्रीलंका में शुरु हो रहे एशिया कप में भी जीत दर्ज करना है। हरमनप्रीत को एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच में भी जीत की उम्मीद है। हरमनप्रीत ने कहा, 'अभी हमारा रख सभी मैचों को समान महत्व देना है। हमारा लक्ष्य सभी मैच जीतना है, इसलिए हम किसी भी टीम को हल्की में नहीं लेंगे। एशिया कप में भारत और पाक का मुकाबला दांबुला में होगा।

हरमनप्रीत ने कहा कि उनका लक्ष्य कप्तान के तौर पर अहम मैचों के दौरान अपनी टीम पर दबाव हावी नहीं होने देना है। उन्होंने कहा, 'जब आप पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हैं तो दोनों देशों में एक अलग ही तनावपूर्ण माहौल होता है। दोनों देश चाहते हैं कि उनकी टीम जीते। भारतीय कप्तान ने कहा, ''एक खिलाड़ी के रूप में हमारे लिए भी बहुत दबाव है पर एक कप्तान के रूप में यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपनी टीम को उस माहौल में तनाव से दूर रखूं जिससे वक दबाव में आये बिना इस मैच में अन्य मैचों की तरह ही लें।

ओलंपिक में अपने को साबित करना चाहते हैं जरमनप्रीत

डोपिंग आरोपों के कारण दो साल टीम से रहे थे बाहर

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम में शामिल जरमनप्रीत सिंह इसी माह शुरु हो रहे पेरिस ओलंपिक को लेकर उत्साहित हैं। जरमनप्रीत ने कहा है कि वह इसमें बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना चाहते हैं। जरमनप्रीत के ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने बेहद कठिन हालातों में वापसी की है। उनपर साल 2016 में डोपिंग का आरोप लगा था जिससे उन्हें दो साल तक खेल से दूर रहना पड़ा था। इसके बाद भी अपनी मजबूत इच्छा शक्ति के बल पर वह वापसी करने में सफल रहे।

जरमनप्रीत ने कहा कि डोपिंग के आरोपों के कारण उनके दो साल बेहद मुश्किल रहे। दो साल तक मैचों से बाहर बैठने से आप प्रतियोगित में काफी पीछे हो जाते हैं। इसके बाद भी हालांकि मुझे अपनी वापसी की उम्मीदें थी पर ये सब हमारे बेहतरीन घरेलू ढांचे के कारण हुआ। इसी कारण मैं चयनकर्ताओं को अपनी क्षमता दिखा पाया। जरमनप्रीत ने भारत के लिए अब तक 98 मैच खेले हैं और ओलंपिक में वह 100 मैच खेलने वाले भारतीय खिलाड़ियों के क्लब में अपनी जगह बना लेंगे।

एंडरसन के नाम हैं कई अहम रिकार्ड

लॉर्ड्स। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का करियर वेस्टंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट में मिली जीत के साथ ही समाप्त हो गया। 41 साल के एंडरसन सबसे अधिक विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज हैं। एंडरसन ने 188 टेस्ट में 704 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपने लंबे करियर में कई अहम रिकॉर्ड बनाये हैं जिनको तोड़ना आसान नहीं है।

तेज गेंदबाज के तौर पर सबसे ज्यादा विकेट- उनके नाम तेज गेंदबाज के तौर पर 704 विकेट हैं और अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में 988 विकेट हैं।

सबसे ज्यादा विकेटकीपर से कैच-एंडरसन ने अपने करियर में सबसे ज्यादा 198 विकेट विकेटकीपर से कैच आऊट करवा हासिल किए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा 152 इस सूची में दूसरे नंबर पर।

40 हजार से अधिक गेंदें फेंकी-टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा गेंदें 40037 फेंकने की सूची में वह चौथे नंबर पर। श्रीलंका के मुथेया मुरलीधरन 44039, भारत के अनिल कुंबले 40850 और ऑस्ट्रेलिया के वार्न 40705 गेंदें ही उनसे आगे हैं।

दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट खेले- एंडरसन ने 188 टेस्ट खेले हैं। इंग्लैंड के लिए एंडरसन सबसे ज्यादा टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वहीं भारत के सचिन तेंदुलकर (200) पहले नंबर पर है। 114 बार सर्वाधिक टेस्ट क्रिकेट में नाबाद रहे हैं जेम्स एंडरसन। दूसरे नंबर पर 61 बार वेस्टइंडीज के कर्टनी वॉल्श नाबाद रहे हैं।

केवल अच्छे पैसे देकर ही वेस्टइंडीज क्रिकेट को बेहतर नहीं बनाय जा सकता : लारा

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का उपयोग नहीं कर पा रहे

जमैका। वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज ब्रायन लारा ने टीम की इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में हार पर निराशा जाहिर की है। लारा ने इसके साथ ही कहा है कि हम प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे नहीं ला पा रह हैं। साथ ही कहा कि केवल अच्छे पैसे देकर ये समस्या हल नहीं हो सकती है। लारा ने सवाल किया कि अगर आप वेस्टइंडीज के बैंक खाते में 100 मिलियन, 200 मिलियन डॉलर डालते हैं, तो क्या इससे हमारा खेल बेहतर हो जाएगा ? मुझे लगता है ऐसा नहीं होगा। खराब प्रदर्शन का कारण ये है कि हमारे पास जो प्रतिभाएं हैं हम उनका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं।

वेस्टइंडीज की टीम अभी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसक गयी है। टीम का प्रदर्शन टी20 विश्वकप में भी अच्छा नहीं रहा था। साल 1970 और 1980 के दशक में क्रिकेट की वेस्टइंडीज नंबर एक टीम थी पर अब खिलाड़ियों का रुझान टी20 लीग के प्रति बढ़ा है। इसके अलावा एथलेटिक्स जैसे अन्य खेल भी तेजी से बढ़े हैं जिस कारण प्रतिभा पूल प्रभावित हो रहा है। इस दिग्गज बल्लेबाज ने कहा कि विभिन्न खेलों की संख्या और बच्चों के लिए अलग-अलग अवसरों के कारण क्रिकेट कमजोर हो गया है पर मेरा कॉर्पोरेट अगर साथ दे तो वेस्ट इंडीज क्रिकेट बेहतर हो सकता है।

लारा ने कहा कि वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड की भी गलती रही है। उसने प्रायोजकों को आकर्षित करने का कोई प्रयास नहीं किया है। जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि कम से कम जमीनी स्तर पर बल्कि अकादमी, सभी अलग-अलग चीजें, सुविधाएं मानक के अनुरूप हों। मुझे लगता है कि ये चीजें बहुत ही अहम हैं।

व्यापार

सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग एक फीसदी तेजी रही

- सेंसेक्स 622 अंक चढ़कर 80,519 पर बंद
- निफ्टी 186 अंक चढ़कर 24,502 पर बंद

मुंबई। विदेशी निवेशकों की लंबी खरीदारी, मानसून की अच्छी प्रगति, कंपनी के नतीजों की बेहतर शुरुआत के कारण बेंचमार्क इंडेक्स नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। इस सप्ताह बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी से ज्यादा तेजी दर्ज की गई। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो एशियाई बाजारों में कमजोरी के भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सोमवार को कमजोरी के साथ खुले। इस दौरान आईसीआईसीआईसीअई बैंक, टाइटन और एचडीएफसी बैंक के शेयरों के कमजोर होने से बाजार नीचे फिसल गया। बीएसई का सेंसेक्स 170 अंक की गिरावट के साथ 79,829 के स्तर पर खुला और 36.22 अंक टूटकर 79,960.38 पर बंद हुआ। निफ्टी 24 अंक टूटकर 24,300 पर खुला और 3.30 अंकों की गिरावट के साथ सपाट स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 178.97 अंकों की बढ़त के साथ 80,126.41 पर खुला और 391.26 अंक चढ़कर 80,351.64 के सार्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 46.41 अंक चढ़कर 24,366.95 पर खुला और 112.65 अंक की बढ़त के साथ 24,433.20 की रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। शेयर बाजार बुधवार सुबह गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 207.47 अंक गिरकर 80,144 अंक पर खुला और 426.87 अंक की गिरावट के साथ 79,924.77 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 49.6 अंक फिसलकर 24,383 अंक पर खुला और 108.75 अंक की गिरावट के साथ 24,324.45 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार में गुरुवार को सुबह के कारोबार में जबरदस्त बढ़त देखी गई। जहां सेंसेक्स शुरुआत में ही 245 अंकों की बढ़त के साथ 80,170 पर खुला और 27.43 अंकों की गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 79,897.34 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 78 अंकों की बढ़त के साथ 24,402 पर खुला और 8.50 अंक की गिरावट के साथ 24,315 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में शुक्रवार को भारी तेजी देखी गई। बीएसई सेंसेक्स 996.17 अंक उछलकर 80,893.51 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर खुला और 622 अंक चढ़कर 80,519 पर बंद हुआ। निफ्टी 276.25 अंक उछलकर 24,592.20 के नए सर्वकालिक शिखर पर खुला और 186 अंक चढ़कर 24,502 पर बंद हुआ।

सब्जियों और फलों के भाव आसमान पर, लहसुन 300 रुपए किलो

नई दिल्ली। बरसात और बदलते मौसम के कारण सब्जी व फलों के दाम आसमान छू रहे हैं, जिसकी वजह से लोगों को रसोई चलाना मुश्किल हो गया है। जानकारी के अनुसार सिरसा में प्याज के दाम60 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं, जबकि लहसुन की कीमत 300 रुपये किलो से अधिक है। इसके अलावा हरी सब्जियों के दामों में भी इजाफा देखने को मिला है। दरअसल, मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बारिश के कारण सब्जियों के दाम और भी बढ़ सकते हैं। सब्जी दुकानदारों का कहना है कि दाम बढ़ जाने के कारण खरीददारी में कमी आई है। अगर बारिश ऐसे ही होती रही तो तो अगले कुछ और दिनों तक सब्जियों के दाम में बढ़ोतरी हो सकती है। सिरसा की सब्जी मंडी में इस समय प्याज 60 से 70 रुपये किलो, टमाटर 70 रुपये किलो, आलू 40 रुपये किलो, लहसुन 300 रुपये किलो, खीरा 60 रुपये किलो, अरबी 80 रुपये किलो, नींबू 150 रुपये किलो तक बिक रहा है। बारिश की वजह से सब्जियों के दामों में डेढ़ गुना वृद्धि हुई है। सब्जियों और फल के दामों में आए उछाल के कारण आम जनता को अपनी जेब काफी ढीली करनी पड़ रही है। सिरसा की सब्जी मंडी में आने वाले ग्राहकों का मानना है कि पहले के मुकाबले रोजाना अब सब्जियों और फलों के दामों में बढ़ोतरी हो रही है, जिस वजह से वह पहले के मुकाबले अब कम ही सब्जियां और फल खरीद पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर एक सब्जी और फल के लिए दोगुना रेट देना पड़ रहा है।

अदाणी के विझिंजम बंदरगाह पर 20,000 करोड़ के निवेश की तैयारी

बंदरगाह वर्ष 2028 तक पूरी तरह तैयार हो जाएगा

नई दिल्ली। अदाणी समूह के विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह पर 2028 तक कुल 20,000 करोड़ रुपये के निवेश की तैयारी हो गई है। अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड (एपीएसईजेड) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने परीक्षण के तौर पर इस बंदरगाह की शुरुआत के अवसर पर कहा कि इस बंदरगाह के शेष चरण के लिए कार्य इसी साल अक्टूबर में शुरू होने की उम्मीद है। यह भारत का पहला ट्रांसशिपमेंट केंद्र और गहरे समुद्र में पहला कंटेनर टर्मिनल है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस परियोजना में एपीएसईजेड 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी शिपिंग कंपनी मेयर्स्क के जहाज एमवी सैन फर्नांडो के इस बंदरगाह पर पहुंचने के बाद इस बंदरगाह का औपचारिक तौर पर परिचालन शुरू हो गया। केरल सरकार के अनुसार इस परियोजना का पहला चरण दिसंबर 2024 में चालू होना था, मगर अब वह कुछ महीने पहले सितंबर में ही चालू हो जाएगा। इस परियोजना के दूसरे से लेकर चौथे चरण के दिसंबर, 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है। अदाणी ने कहा कि परियोजना के चारों चरण वर्ष 2028-29 तक पूरे हो जाएंगे। तब तक केरल सरकार और अदाणी समूह विझिंजम बंदरगाह में कुल 20,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी का शानदार उदाहरण है। अदाणी ने बताया, इस परियोजना के मास्टर प्लान के लिए जन सुनवाई पूरी हो चुकी है। मैं विझिंजम के लोगों के जबरदस्त समर्थन से अभिभूत हूं। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पर्यावरण एवं अन्य नियामकीय मंजूरियां मिलते ही अदाणी समूह इस बंदरगाह के अन्य चरणों के कार्य तत्काल शुरू करेगा। यह इस साल अक्टूबर में ही शुरू हो सकता है। अदाणी समूह ने संकेत दिया कि पहले चरण के कार्य दिसंबर से काफी पहले पूरे हो जाएंगे।

खाने-पीने की वस्तुएं महंगी होने से खुदरा मुद्रास्फीति बढ़ी

मई में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक बढ़कर 5.9 फीसदी पर

नई दिल्ली। खाने-पीने की वस्तुओं के दाम एकाएक बढ़ने से जून में यह भी खुदरा मुद्रास्फीति में तेजी देखी गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर चलने वाली यह महंगाई जून में 5.08 फीसदी पर पहुंच गई, जो चार महीने में इसका सबसे ऊंचा आंकड़ा है। मगर महंगाई की चोट पर औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों ने कुछ मरहम लगाया है। मई में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) बढ़कर 5.9 फीसदी पर पहुंच गया, जो 7 महीने में इसका सबसे ऊंचा आंकड़ा रहा। इससे पहले अप्रैल का आईआईपी आंकड़ा घटाकर 5.4 फीसदी कर दिया गया था। आईआईपी का पिछला उच्च स्तर अक्टूबर 2023 में 11.9 फीसदी था। राष्ट्रीय सां ख्यिकी कार्यालय से जारी आंकड़ों के मुताबिक जून में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 9.36 फीसदी हो गई, जो मई में 8.69 फीसदी ही थी। इसका कारण अनाज के दामों में 8.75 फीसदी, फलों में 7.15 फीसदी और सब्जियों के भाव में 29.32 तेजी आना रहा। हालांकि दालों के भाव 16.07 फीसदी ही बढ़े, जो मई के मुकाबले कम वृद्धि है मगर अब भी इनके भाव में इजाफा दो अंकों में हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही में कहा था कि खुदरा मुद्रास्फीति अब भी 4 फीसदी के लक्ष्य से ऊपर है और ब्याज दरों में कटौती की बात करना अभी जल्दबाजी होगी। मई में खुदरा मुद्रास्फीति 4.7 फीसदी रही थी। तमाम सर्वेक्षणों के मुताबिक जून में यह 5 फीसदी के करीब रह सकती है। इसलिए जब मुद्रास्फीति 5 फीसदी है और हमारा लक्ष्य उसे 4 फीसदी पर लाने का है तो मुझे लगता है कि ब्याज दरों में कटौती पर बात करने का अभी कोई मतलब नहीं है। वहीं विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 4.6 फीसदी और बिजली का उत्पादन 13.7 फीसदी बढ़ा। मगर खनन क्षेत्र के उत्पादन में थोड़ी सुस्ती दिखी। मई में पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन की वृद्धि दर घटकर 2.5 फीसदी रह गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 8.1 फीसदी थी। कंज्यूमर ड्यरेबल्स का उत्पादन मई 2024 में 12.3 फीसदी बढ़ा, जबकि मई 2023 में इसमें 1.5 फीसदी की वृद्धि हुई थी।

बॉक्स ऑफिस पर किल की संघर्ष जारी

10 करोड़ रुपये की ओर कारोबार

लक्ष्य लालवानी ने फिल्म किल से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बतौर एक्टर डेब्यू किया है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से सराहना मिली है। 5 जुलाई को फिल्म किल रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से सकरात्मक प्रतिक्रिया मिली। यही वजह है कि कल्कि की आंधी में भी यह सिनेमाघरों में डटी हुई है और टिकट खिड़की पर ठीक-ठाक कमाई कर रही है।1 करोड़ 25 लाख रुपये से इसने अपना खाता खोला था और रिलीज के छठे दिन इसने 1 करोड़ 2 लाख रुपये बटोरे। इसी के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसकी कमाई 9.95 करोड़ रुपये हो गई है। किल के प्रदर्शन पर कल्कि 2898 एडी का असर देखने को मिल रहा है। कल्कि अब भी कहीं ना कहीं हिंदी दर्शकों के लिए पहली पसंद बनी हुई है। इसके चलते किल की कमाई प्रभावित हो रही है। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी किल से लक्ष्य लालवानी ने बॉलीवुड में कदम रखा है, जबकि राघव जुयाल एबीसीडी जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके हैं। हालांकि इस फिल्म में वह विलेन के किरदार में ध्यान खींच रहे हैं।फिल्म में लक्ष्य से कहीं ज्यादा राघव की तारीफ हो रही है। उनकी खलनायकी पर्दे पर छा गई है।इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था, जहां इसने खूब वाहवाही लूटी। किल के निर्माता करण जौहर हैं। उन्होंने गुनीत मोंगा के साथ मिलकर यह फिल्म बनाई है। इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था, जहां इसने खूब वाहवाही लूटी।यही नहीं ब्लॉकबस्टर फिल्म सीरीज जॉन विक के निर्देशक ने किल की रिलीज से पहले ही इसके हॉलीवुड रीमेक का ऐलान कर दिया था।

जान्हवी कपूर की उलझ के नए पोस्टर ने बढ़ाया प्रशंसकों का उत्साह

अजय देवगन को टक्कर देने के लिए तैयार अभिनेत्री

जान्हवी कपूर की आगामी जासूसी थ्रिलर 'उलझ को लेकर प्रशंसक काफी ज्यादा उत्साहित हैं। फिल्म में जान्हवी कपूर के साथ गुलशन देवैया, रोशन मैथ्यू, राजेश तैलंग, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी जैसे सितारे अहम भूमिका में नजर आने वाले हैं। वहीं, अब जान्हवी ने प्रशंसकों को एक और बड़ा तोहफा दिया है। फिल्म के नए पोस्टर के साथ अभिनेत्री ने इसकी रिलीज डेट को वापस से टीज किया है। जान्हवी कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से जुड़े दो पोस्टर साझा किए हैं। वहीं, उन्होंने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, हर चेहरा एक कहानी कहता है और हर कहानी एक जाल है। इस उलझ को सुलझाओ। 2 अगस्त से आपके नजदीकी सिनेमाघरों में। पोस्टर को देखते ही जान्हवी कपूर के प्रशंसक और अनुयायी बेहद उत्साहित हो उठे। एक यूजर ने लिखा, हे भगवान! क्या यह असली के लिए है? मैं उम्मीद कर रहा था कि यह फिल्म अभी भी बन रही है... लेकिन, इसे देखो! हमारी प्यारी बच्ची जान्हवी कपूर... वह नहीं चाहती थीं कि उनके प्रशंसक अब और इंतजार करें। इसलिए उन्होंने निर्माताओं से फिल्म को जल्द से जल्द रिलीज करने का अनुरोध किया होगा। पोस्टर पर प्रतिक्रिया देते हुए एक अन्य यूजर ने लिखा, यह वही है जिसका हम कई दिनों से इंतजार कर रहे थे। फिल्म उलझ की रिलीज डेट। मैं सोचता हूं, आशा करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि इस बार फिल्म की रिलीज डेट किसी भी कीमत पर टलनी नहीं चाहिए। हममें से काफी लोग जान्हवी कपूर को फिल्म में देखने का इंतजार कर रहे हैं। इससे बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता। फिल्म उलझ का निर्देशन सुधांशु सरिया ने किया है। वहीं, विनीत जैन इसके निर्माता हैं। फिल्म की कहानी एक युवा डिप्लोमैट सुहाना (जान्हवी कपूर) के इर्द-गिर्द घूमती है। यह फिल्म सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर होने वाली है। फिल्म के ज्यादातर सीन विदेशी धरती पर फिल्माए गए हैं, जिसकी झलक भी टीजर में देखी जा चुकी है। जानकारी हो की बॉक्स ऑफिस पर उलझ की भिड़ंत अजय देवगन की फिल्म औरों में कहा दम था से होगी। दोनों ही फिल्में 2 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक दे रही हैं।

कल्कि 2898 एडी का क्रेज हो रहा खत्म! 14वें दिन किया अब तक का सबसे कम कलेक्शन

कल्कि 2898 एडी नाग अश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित साइंस-फाई फिल्म है. इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया हुआ है. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कलेक्शन कर रही है और इसी के साथ कल्कि 2898 एडी ने तमाम फिलों का रिकॉर्ड ब्रेक कर दिया है.हालांकि रिलीज के दूसरे हफ्ते के वीकडेज में फिल्म की कमाई में अब गिरावट भी दर्ज की जा रही है लेकिन फिर भी ये शानदार कलेक्शन कर रही है. चलिए यहां जानते हैं कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 14वें दिन कितनी कमाई की है? कल्कि 2898 एडी ने दर्शकों के दीवाना बना दिया है. हालांकि कुछ क्रिटिक्स से फिल्म को ठीक रिव्यू नहीं मिला था बावजूद इसके प्रभास स्टारर फिल्म को देखने के लिए ऑडियंस सिनेमाघरों में खींचे चले आ रहे हैं. इसी के साथ कल्कि 2898 एडी पर नोटों की बारिश हो रही है. ये फिल्म साल 2024 की सबसे बड़ी ओपनर बनने के साथ ही सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर चुकी है. हालांकि दूसरे हफ्ते के वीकडेज में कल्कि 2898 एडी की कमाई का ग्राफ नीचे भी आ रहा है बावजूद इसके फिल्म इतिहास रचने की ओर बढ़ रही है. कल्कि 2898 एडी की कमाई की बात करें तो इसने पहले हफ्ते में 414.85 करोड़ का कारोबार किया था. दूसरे हफ्ते के सेकंड फ्राइडे फिल्म ने 16.7 करोड़ कमाए. वहीं दूसरे शनिवार फिल्म ने 34.15 तो दूसरे रविवार 44.35 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं सेकंड मंडे कल्कि 2898 एडी ने 10.4 करोड़ बटोरे और दूसरे मंगलवार का कलेक्शन 8.8 करोड़ रहा. वहीं अब कल्कि 2898 एडी की रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे बुधवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे बुधवार को 7.5 करोड़ की कमाई की है. जिसमें तेलुगु में फिल्म ने 1.7 करोड़, तमिल में 0.55 करोड़, हिंदी में 4.75 करोड़, कन्नड़ में 0.1 करोड और मलयालम में 0.4 करोड़ की कमाई की है. इसके बाद कल्कि 2898 एडी का 14 दिनों का कुल कलेक्शन अब 536.75 करोड़ रुपये हो गया है. जिसमें फिल्म ने तेलुगु में 252.1 करोड़, तमिल में 31.55 करोड़, हिंदी में 229.05 करोड़, कन्नड़ में 4.4 करोड़ और मलयालम में 19.65 करोड़ की कमाई की है. कल्कि 2898 एडी दूसरे हफ्ते में घटती कमाई के बावजूद अच्छा कलेक्शन कर रही है. फिल्म ने 13वें दिन गदर 2 का लाइफ टाइम कलेक्शन (525.45) का रिकॉर्ड ब्रेक किया था. वहीं अब कल्कि 2898 एडी के निशाने पर शाहरुख खान की पठान का लाइफटाइम कलेक्शन (543.05 करोड़) है. उम्मीद है कि इस हफ्ते में प्रभास की फिल्म शाहरुख खान स्टारर को धूल चटा देगी. कल्कि 2898 एडी में कई दमदार स्टार्स ने काम किया है. फिल्म में प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, कमल हासन और दिशा पटानी सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है. ये फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज हुई थी.

मास महाराजा रवि तेजा की फिल्म मिस्टर बच्चन का पहला सिंगल सितार हुआ रिलीज़

नर्देशक हरीश शंकर को संगीत का अच्छा अनुभव है और उनकी अधिकांश फ़िल्में सिनेमाघरों में रिलीज़ होने से पहले ही म्यूज़िकल हिट हो जाती थीं। इसी तरह, मास महाराजा रवि तेजा अभिनीत उनकी नई फ़िल्म मिस्टर बच्चन में भी अलग-अलग शैलियों का एक एल्बम होगा। प्रोमो के साथ टीज़ करने के बाद, निर्माता पहले सिंगल-सितार के लिरिकल के साथ आए हैं। सुब्रमण्यम फ़ॉर सेल और गड्डालकोंडा गणेश के बाद, मिकी जे मेयर ने फिर से हरीश शंकर के साथ मिलकर काम किया है। सितार की आवाज़ से शुरू होने वाला यह गाना जादुई बीट्स के साथ एक बेहतरीन क्लासिकल नंबर है। दो चार्टबस्टर्स केवु केका और असमिका योग के बाद, हरीश और गीतकार साहिथी की जोड़ी इस गाने के लिए फिर से साथ आई है जिसके बोल मंत्रमुग्ध कर देने वाले हैं। अर्थ की तरह ही, ट्रैक को दिए गए शब्द भी रत्न हैं, जो साकेत कोमांदुरी और समीरा भारद्वाज की आवाज़ों में शानदार ढंग से चमकते हैं। साथ ही, चारुलता मणि का क्लासिक राग वास्तव में क्लासिकल है। हरीश शंकर ने अपना टच दिया, क्योंकि बैक पॉकेट और हिप मूव्स बहुत आकर्षक थे। रवि तेजा स्टाइलिश पोशाक में युवा और आकर्षक दिखाई दिए, जबकि भाग्यश्री बोरसे एक ग्लैमरस दिवा की तरह दिखीं। दोनों की केमिस्ट्री आकर्षक और शानदार थी। रवि तेजा के नृत्य सुंदर थे, जबकि भाग्यश्री ने अपने आकर्षक मूव्स से मंत्रमुग्ध कर दिया। शेखर मास्टर ने अपनी शानदार कोरियोग्राफी से दृश्यों में भव्यता ला दी। अयंका बोस द्वारा कैप्चर किए गए दृश्य बहुत जीवंत और शानदार थे। उन्होंने कश्मीर घाटी के विदेशी स्थानों को बहुत आकर्षक ढंग से दिखाया। सितार एक त्वरित हिट है और जब हम इसे बड़े पर्दे पर देखेंगे तो यह गीत और भी आकर्षक लगेगा। फिल्म में जगपति बाबू और सचिन खेडेकर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। टीजी विश्व प्रसाद पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले इस परियोजना को बड़े पैमाने पर वित्तपोषित कर रहे हैं। विवेक कुचिभोटला सह-निर्माता हैं। नाम तो सुना होगा फिल्म की टैगलाइन है। ब्रह्मा कदली कला निर्देशक हैं और उज्ज्वल कुलकर्णी संपादक हैं। नर्माता जल्द ही फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा करेंगे।

येलो बॉडीकॉन आउटफिट पहन नुसरत भरूचा ने चलाया जादू, अदाएं ऐसी की देखते रह गए लोग

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा आए दिन अपनी ग्लैमरस अदाओं से फैंस को अपने हुस्न का कायल करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके स्टनिंग लुक को देखकर तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिसमें उनका क्लासी अंदाज देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस नुसरत भरूचा अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनकी हर एक फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचाने लगती है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी कातिलाना अदाओं ने फैंस के दिलों पर खंजर चला दिया है। नुसरत भरूचा ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान येलो कलर की बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ था। एक्ट्रेस नुसरत भरूचा अपने इस लुक में बेहद ही सिजलिंग और हॉट नजर आ रही हैं। साथ ही फैंस उनके लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक यूजर ने एक्ट्रेस की इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। वहीं दूसरे यूजर ने उनके इस लुक पर कॉमेंट किया है- लुकिंग सुपर्ब इन येलो कलर। नुसरत भरूचा ने अपने लुक को और भी ज्यादा खूबसूरत बनाने के लिए बालों को अच्छे लुक में स्टाइल करवाया है। साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को और भी शानदार तरीके से निखारा है। नुसरत भरूचा भले ही इन दिनों किसी फिल्मों में नहीं दिखाई दे रही हो लेकिन वो आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं।

ईशा मालवीय को बिग बॉस 17 को लेकर होता है पछतावा

बिग बॉस 17 में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस ईशा मालवीय ने खुलासा किया कि उन्हें कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो करने को लेकर पछतावा होता है। उन्हें इस बात का पछतावा हैं कि वह उन स्वार्थी लोगों के साथ रहीं, जो सिर्फ उनका इस्तेमाल कर रहे थे। ईशा ने कहा, मुझे कई स्वार्थी लोगों के साथ रहना पड़ा, जो मेरा इस्तेमाल कर रहे थे और मुझे उस समय इसका एहसास तक नहीं हुआ। मुझे इन बातों का पछतावा होता है, लेकिन मुझे बिग बॉस में हिस्सा लेने का कोई पछतावा नहीं है। मुझे उन लोगों के साथ दोस्ती या रिश्ते बनाने का पछतावा है, जिन्होंने मेरी रिस्पेक्ट नहीं की और न ही मेरी कीमत समझी। उन्होंने कहा कि वह डांस-बेस्ड रियलिटी शो में हिस्सा लेना पसंद करेंगी। ईशा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं और ज्यादा रियलिटी शो करूंगी, लेकिन अगर यह डांस से जुड़े है, जैसे झलक दिखला जा, तो मैं हिस्सा लेना पसंद करूंगी। मैं 6 साल की उम्र से ही डांस कर रही हूं, तो क्यों नहीं? बता दें कि ईशा मालवीय ने बिग बॉस 17 के घर में अपने एक्स बॉयफ्रेंड अभिषेक कुमार के साथ एंट्री ली थी। शो में अभिषेक और ईशा के बीच में काफी झगड़े देखने को मिले। ईशा ने अभिषेक पर फिजिकल वायलेंस के आरोप लगाए, जिन्हें अभिषेक ने खारिज किया। ईशा मालवीय और अभिषेक कुमार दोनों को शो उडारियां में देखा गया था। बिग बॉस 17 में ईशा के बॉयफ्रेंड समर्थ जुरेल ने भी एंट्री ली, इसके बाद शो में काफी कुछ ड्रामा देखने को मिला था। बिग बॉस के घर से बाहर आने के बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया। ईशा कई म्यूजिक वीडियो में नजर आईं। ज्योति नूरन के गाने पांव की जुत्ती सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ।

हुमा कुरैशी की नई फिल्म बयान का हुआ ऐलान

विकास मिश्रा करेंगे निर्देशन

हुमा कुरैशी को आखिरी बार वेब सीरीज महारानी 3 में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब प्रशंसा हो रही है। इस सीरीज को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर देख सकते हैं।अब हुमा ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम बयान रखा गया है। हुमा के अलावा चंद्रचूड़ सिंह और सचिन खेडेकर भी इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।बयान के निर्देशन की कमान विकास मिश्रा ने संभाली है। शिलादित्य बोरा, मधु शर्मा, कुणाल कुमार और अंशुमान सिंह इस फिल्म के निर्माता हैं, वहीं फिल्म की कहानी विकास ने लिखी है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है।हुमा ने बयान की घोषणा करते हुए लिखा, एक ऐसी फिल्म जिसे लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। फिल्म की शूटिंग शुरू। एक शानदार स्क्रिप्ट, एक प्रतिभाशाली क्रू और अपने काम के प्रति उनका पूर्ण समर्पण। यह फिल्म राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह बाप-बेटी की कहानी है। जिसमें रूही नामक महिला जासूस को राजस्थान के एक छोटे से शहर में लीड इन्वेस्टिगेटर के तौर पर अपने करियर के पहले केस की जांच करने के लिए भेजा जाता है। उसे दिक्कतों का सामना करना पड़ता है क्योंकि सिस्टम पर उसके प्रतिद्वंद्वी प्रभावी हैं। फिल्म में चंद्रचूड़ सिंह, सचिन खेडेकर, अविजित दत्त, शम्पा मंडल, प्रीति शुक्ला, विभोर मयंक और अदिति कंचन सिंह लीड रोल में हैं। फिल्म का निर्देशन बिकास मिश्रा ने किया है। फिल्म के बारे में हुमा ने जानकारी दी। उन्होंने कहा, डायरेक्टर बिकास और प्रोड्यूसर शिलादित्य के पैशन ने मुझे प्रभावित किया। ऐसे डेडिकेटेड प्रोफेशनल्स के साथ काम करना, जो फिल्म मेकिंग के बारे में अच्छी समझ रखते हैं से जुड़ना वाकई एक्साइटिंग है। यह कॉम्बिनेशन बेहद अलग है। उनकी एनर्जी काबिल ए तारीफ है। मैं बयान को लेकर एक्साइटेड हूं। फिल्म इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल रॉटरडैम के ह्यूबर्ट बाल्स फंड द्वारा समर्थित है और इसे लॉस एंजिल्स रेजीडेंसी में डेवलप किया गया था, जो फिल्म इंडिपेंडेंट के ग्लोबल मीडिया मेकर्स (जीएमएम) प्रोग्राम का हिस्सा है।

हुमा के पास विपुल मेहता की फिल्म गुलाबी भी है।